तापमान
अधिकतम 32.4 डिग्री
न्यूनतम 23.6 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, बुधवार 26 अगस्त 2026

12 पांच सूत्रीय मांगों के लेकर शिक्षकों ने निकाली ...

13 शौचालय के लिए सड़क पर उतरे नौनिहाल एक घंटे...

खबर संक्षेप

देशी कट्टा लेकर दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार

भिलाई। देशी कट्टा लेकर लोगों में दहशत फैलाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर लक्ष्मी नारायण नगर, उड़िया बस्ती खुर्सीपार निवासी उत्तम उर्फ पुरुषोत्तम उर्फ बुड़ा को पकड़ा गया। आरोपी के पास से पुलिस ने 12 बोर का 1 देशी कट्टा, 12 बोर का 1 राउंड जब्त किया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। वर्ष 2021 में भिलाई-3 क्षेत्र के एक प्रकरण में आरोपी उत्तम के खिलाफ धारा 302 के तहत भी अपराध कायम किया गया था।

शराब के लिए रकम का डिमांड, तीन गिरफ्तार

भिलाई। राहगीरों से शराब पीने के लिए रकम का डिमांड कर मारपीट गाली गलौज करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि पंजाब राजेन्द्र प्रसाद वार्ड खुर्सीपार निवासी लखविंदर सिंह से कुछ युवक शराब पीने के लिए रकम की डिमांड की। पुलिस ने तीन युवक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर, खुर्सीपार निवासी टकली उर्फ टिकेश, आकाश उर्फ सोहेल, लक्की उर्फ निशान चौधरी को पकड़ा है।

भिलाई निगम की सामान्य सभा में विपक्ष के कड़े तेवर, सत्ता पक्ष के पार्षदों ने भी जांच के मुद्दों पर दिया साथ

बॉयोगैस प्लांट, एथलेटिक्स ट्रैक, कोसानाला निर्माण और स्ट्रीट लाइट टेंडर पर हंगामा, निविदा निरस्त, होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई निगम की सामान्य सभा मंगलवार को हंगामेदार रही। विपक्ष ने चार ऐसे मुद्दों पर कड़े तेवर दिखाए। सत्ता पक्ष को ऐसा घेरा कि सत्ता पक्ष के पार्षदों का भी साथ मिला। फलस्वरूप बॉयोगैस प्लांट स्थापना, सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, कोसानाला निर्माण और स्ट्रीट लाइट की निविदा का परीक्षण और जांच का निर्णय लिया गया। इनका टेंडर निरस्त कर दिया गया है। आयुक्त सुरूचि सिंह की पहली सामान्य सभा भिलाई निगम की थी और उन्होने सदन की मंशा के अनुरूप विवादित मुद्दों पर अपना रूख स्पष्ट कर दिया। निगम के अधिकारियों द्वारा एक ही एजेंसी मेसर्स रायपुर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को ही इन कार्यों का टेंडर देने पर विपक्ष ने जमकर बवाल किया। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच अधिकारियों को बचाए जाने का आरोप व प्रत्यारोप भी हुआ। सभापति गिरवर बंटी साहू ने जांच के लिए कमेटी बनाने के निर्देश दिए।

इन चार मुद्दों पर ऐसे होता रहा हंगामा

बॉयोगैस प्लांट को 15 सालों पर लीज देना

बॉयोगैस प्लांट की स्थापना गोकुल नगर में की जा रही है। इसे 15 वर्षों के लिए लीज पर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उपनेता प्रतिपक्ष दयासिंह, पार्षद पीयूष मिश्रा ने कहा कि एमआईसी हो या सामान्य सभा , इसको भी जमीन लीज पर देने का आधिकार नहीं है। फिर से जमीन किसकी अनुमति से दे दी गई। संबंधित अधिकारी इसका गोल-मोल जवाब देने लगे। सत्ता पक्ष के सीजू एंथोनी, लक्ष्मीपति राजू , भूपेंद्र यादव ने भी अधिकारियों को घेरा।

सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक निर्माण

प्रस्ताव क्रमांक 15 में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक निर्माण एवं प्राकृतिक फुटबॉल निर्माण आया। इस पर विपक्षी पार्षदों ने फिर घेरा और हंगामा मचा। विपक्ष ने कहा कि यह डूबान क्षेत्र हैं। पहले भी यहां पर स्वीमिंग पुल और एथलेटिक्स ट्रैक बनाने की योजना बनी लेकिन यह पूरा नहीं हो पाया। मेसर्स रायपुर कंट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को ही यह कार्य दिया गया है।

कोसानाला निर्माण 9 साल से अधूरा

सामान्य सभा में कोसानाला निर्माण पर भी जमकर चर्चा हुई। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के कई पार्षदों ने इस पर एकजुटता दिखाई। कहा कि पिछले 9 साल हो गए लेकिन यह अब तक पूरा नहीं किया जा सका। संबंधित अधिकारियों ने क्या कार्रवाई की। इस पर अधिकारी ठीक से जवाब नहीं दे पाए। एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने और जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई जोर दिया गया।

मार्केटों का उन्नयन और विकास का प्रस्ताव अब सुझावों से तैयार

प्रस्ताव क्रमांक 6 में जवाहर मार्केट का उन्नयन व विकास कार्य को लेकर सदन में खासी बहस हुई। विपक्षी पार्षदों ने कहा कि जवाहर मार्केट में मुख्य समस्या पार्किंग की है। 7 करोड़ रुपए से क्या काम होंगे इसका ड्राइंग डिजाइन ही तैयार नहीं हुआ है। इस पर महापौर नीरज पाल ने बताया कि यह प्रस्ताव 11 साल पुरानी है। वहां के व्यापारी व चेंबर ऑफ कामर्स से चर्चा कर सर्रकुर्लर मार्केट, सुभाष सब्जी मंडी और जवाहर मार्केट का उन्नयन व विकास होना है। अधोसंरचना मद से राशि मिली है। आयुक्त सुरूचि सिंह ने भी सदन को बताया कि सलाह मशविरा और इसका परीक्षण कर कार्ययोजना को अंजाम दिया जाएगा।

2.54 करोड़ का स्ट्रीट लाइट टेंडर, पूरे वार्ड में बिजली बंद: प्रस्ताव क्रमांक 7 पर सदन काफी लंबे समय तक खींच गया। विपक्ष ने कहा कि 2.54 करोड़ से स्ट्रीट लाइट के संधारण व संचालन के लिए टेंडर किया गया है। लेकिन पूरे वार्डों में बिजली बंद है। स्वयं सभापति गिरवर बंटी साहू ने सदन में कहा कि स्ट्रीट लाईट की समस्या सभी वार्ड में हैं। वार्ड 1 से 51 तक 200 लाइटें बंद हैंद्ध भाजपा पार्षद वीणा चंद्राकर, अनिता साहू, पार्षद संतोष मौर्या सहित कई पार्षदों ने अपने- अपने वार्ड में स्ट्रीट लाइट बंद होने की समस्याएं रखी। सत्ता पक्ष के सीजू एंथोनी, राजेश चौधरी, चंद्रशेखर गंवई,नेहा साहू , राजा बंजारे आदि ने कहा कि पार्षद निधि से खर्च कर लाईट लगवा रहे हैं। एक पोल से बिजली दूसरे पोल में लगाकर हेरा फेरी की जा रही है।

एल -2 ठेकेदार को बना दिया एल - 1 : सामान्य सभा के दौरान निगम के अधिकारियों पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के पार्षदों ने कई गंभीर आरोप लगाए और नए आयुक्त सुरूचि सिंह को उनसे सावधान रहने की सलाह दी। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा व पीयूष मिश्रा ने आरोप लगाया कि एल -2 ठेकेदार को एल- 1 बनाने के लिए निविदा के नियम व शर्तें तक बदल दी गई। स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू ने कहा कि आखों से काजल चुरा ले जाते हैं यहां के अधिकारी। उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने सदन में अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि पार्षदों का सहयोग अधिकारी करें,गुमराह न करें, यदि न कर पाएं तो बता दें। उन्हे भी यहां से रवाना कर दिया जाएगा। वार्ड-35 के पार्षद चंदन यादव ने भी अपने वार्ड की बिजली, पानी, सड़क आदि मुद्धों को रखा।

शहर के तीन प्रमुख चौक का नाम भगवान के नाम पर होगा

जयंती स्टेडियम भिलाई में सात दिवसीय भव्य शिव महापुराण कथा का सफल आयोजन कराने वाले बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष तथा निगम के उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उनके द्वारा प्रस्तुत केनाल रोड स्थित प्रमुख तिराहों एवं चौकों के नामकरण संबंधी प्रस्ताव को नगर पालिक निगम भिलाई की सामान्य सभा में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। वार्ड-44 के पार्षद दया सिंह ने शिवाजी नगर जोन-4 क्षेत्र के केनाल रोड स्थित प्रमुख चौकों और तिराहों के नामकरण का प्रस्ताव रखा था। प्रस्ताव के अनुसार केनाल रोड जीरो प्वाइंट का नाम गणेश तिराहा चौक, क्रांति मार्केट चौक का नाम शहीद भगत सिंह चौक तथा जी.ई. रोड से श्रीराम चौक जाने वाले चौक का नाम बोलबम चौक रखा जाएगा। सामान्य सभा में प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सभी पक्षों के पार्षदों ने सहमति व्यक्त की और इसे सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। दया सिंह ने कहा कि इन नामों से क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी। शहीद भगत सिंह के नाम पर चौक का नामकरण युवाओं को देशभक्ति की प्रेरणा देगा, वहीं गणेश तिराहा चौक और बोलबम चौक स्थानीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक बनेंगे।निगम के इस निर्णय का क्षेत्रवासियों ने स्वागत करते हुए इसे जनभावनाओं के अनुरूप कदम बताया है।

नवनिर्मित सिटी बस डिपो का सेंट्रल टीम ने किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के संचालक भानुप्रताप सिंह भदौरिया ने निगम आयुक्त सुरुचि सिंह एवं केंद्रीय टीम की उपस्थिति में डी मार्ट के सामने निर्माणाधीन सिटी बस डिपो का निरीक्षण किया। इस दौरान सिटी बसों के संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए आवश्यक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सिटी बसों के ड्राइवर एवं कंडक्टरों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बनाए गए भवन का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण भवन में उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली गई। इसके साथ ही डिपो परिसर में बसों की पार्किंग व्यवस्था, चार्जिंग प्वाइंट तथा प्रकाश व्यवस्था का भी विस्तारपूर्वक निरीक्षण किया गया। उन्होंने डिपो परिसर की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

दिए। उन्होंने बसों के संचालन से संबंधित आवश्यक सुविधाओं का नियमित निरीक्षण करने तथा यात्रियों एवं बस संचालन से जुड़े कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त टीम ने डिपो परिसर में उपलब्ध संसाधनों एवं वर्तमान व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की। सिटी बस सेवा को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आधारभूत सुविधाओं की स्थिति को भी देखा गया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा एवं पलाश वैद्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट से देवेंद्र की एसएलपी खारिज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई नगर विस क्षेत्र क्रमांक-65 के निर्वाचन में विधायक देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से एक और बड़ा झटका लगा है। निर्वाचन याचिका को नियमित ट्रायल तक पहुंचने से पहले कानूनी आपत्तियों के जरिए रोकने की उनकी एक और कोशिश सफल नहीं हो सकी। सर्वोच्च न्यायालय ने देवेंद्र यादव द्वारा दायर एसएलपी सिविल नंबर 28778/2026 को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही अब 31 अगस्त से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चुनाव याचिका के ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 30 जून 2026 के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं पाया और विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी। मामला निर्वाचन याचिका क्रमांक 9/2024 से जुड़ा है, जिसमें वर्ष 2023 के भिलाई नगर विधानसभा चुनाव में देवेंद्र यादव के निर्वाचन को चुनौती दी गई है। याचिका में नामांकन शपथ-पत्र में आवश्यक सांविधिक जानकारियों

के समुचित प्रकटीकरण तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत निर्वाचन की वैधता से जुड़े गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि यह चुनाव करीब 1200 मतों के अंतर से तय हुआ था। हाईकोर्ट ने 30 जून 2026 को उनकी मांग खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि संबंधित मुद्दे तथ्य और विधि के मिश्रित प्रश्न हैं और इनका उचित निर्धारण पक्षकारों के साक्ष्य सामने आने के बाद नियमित ट्रायल में ही किया जाना चाहिए। देवेंद्र यादव इसी आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली। यह उनकी दूसरी महत्वपूर्ण कानूनी चुनौती है जो निर्वाचन विवाद में सर्वोच्च न्यायालय के स्तर पर सफल नहीं हुई। 31 अगस्त से शुरू होने वाली कार्यवाही में हाईकोर्ट द्वारा 21 अगस्त 2024 को निर्धारित मुद्दों पर साक्ष्य पेश किए जाएंगे।

तिरगा में विद्यार्थियों को नहीं मिला यूनिफॉर्म, अछोटी और झोला में शिक्षकों की कमी

हरिभूमि न्यूज ⏩दुर्ग

जिला पंचायत की सामान्य सभा बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। सामान्य सभा में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, महिला एवं बाल विकास तथा खाद्य विभाग से संबंधित कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए जनहित के मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत तिरगा में विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म उपलब्ध नहीं होने तथा अछोटी और झोला में शिक्षकों की कमी का मामला सामने आया। इस पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कोलिहापुरी में शिक्षकों एवं पालकों के बीच व्यवहार से संबंधित शिकायत पर भी अधिकारियों को सुधारात्मक कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, सीईओ बजरंग दुबे, पवन शर्मा, प्रिया साहू, कल्पना नारद साहू, श्रद्धा साहू, दानेश्वर साहू, कुलेश्वरी देवांगन सहित अन्य मौजूद थे।

विद्यालय की छत का प्लास्टर टूटने पर मरम्मत के निर्देश

ग्राम पंचायत कपसदा में विद्यालय की छत की लेयर टूटने की जानकारी पर तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। जर्जर एवं मरम्मत योग्य शासकीय शालाओं की जानकारी प्रस्तुत करने को कहा गया। शाला कपसदा और ओटेबंद सहित अन्य विद्यालयों के मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा तरकोरी एवं टेगापार के स्कूलों से संबंधित मरम्मत कार्यों पर भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। धमधा क्षेत्र में शनिवार के लिए विशेष ड्रेस के नाम पर विद्यार्थियों से 500 रुपये लिए जाने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने को कहा गया। कोल्हापुरी में प्राचार्य के व्यवहार संबंधी शिकायत पर भी आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही शिक्षकों को ऐसी अतिरिक्त जिम्मेदारियां नहीं देने को कहा गया, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो।

सामान्य सभा बैठक में उठा मुद्दा, विधायक ललित चंद्राकर ने जनहित के मुद्दों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

ओबीसी छात्राओं को नहीं मिली साइकिल

ओबीसी विद्यार्थियों को साइकिल वितरण नहीं होने के मामले में भी तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शाला विकास समिति के नए गठन तथा उससे संबंधित प्रक्रिया की जानकारी प्रस्तुत करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में मुरमुंडा एवं लिटिया में दवाइयों की कमी की शिकायत पर तत्काल जांच कर आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अहिवारा में कंबल, बेड एवं शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान खाद एवं उर्वरक के वितरण की व्यवस्था तथा उसकी गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनप्रतिनिधियों ने भी उर्वरक वितरण से संबंधित जानकारी समय पर उपलब्ध कराने की मांग रखी।

ग्रामीण सड़कों की मरम्मत को मिले प्राथमिकता, सदस्यों ने दिए निर्देश

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत भोथली-तीरगा, डंडेश्वर-ढाबा, गाड़ाडीह-अर्सी, बरहापुर-अछोली, पेड़ीतराई-हिर्री तथा दरगांव-मोहलाई मार्गों की मरम्मत से संबंधित विषयों पर भी चर्चा हुई। संबंधित मार्गों की स्थिति का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। ललित चंद्राकर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े जनहित के विषयों को प्राथमिकता दी जाए। जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र की समस्याओं को सदन में रखा जाता है, इसलिए अधिकारी उन पर गंभीरता से कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति देने के लिए अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

खबर संक्षेप

फर्जी नंबर लगाकर वाहन चलाने वाला पकड़ाया

भिलाई। कार में फंर्जी नंबर लगाकर घूम रहे युवक को पुलिस ने पकड़ा है। मामले में पुलिस ने कार समेत युवक को गिरफ्तार किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि डी-604, साईं ड्रीम सिटी, रायपुर निवासी मोनिश सोनी ने शिकायत की कि उसके नाम पर टोयोटा यारिस कार सीजी 07 बीजेड 5226 आरटीओ कार्यालय दुर्ग से पंजीकृत है। उक्त वाहन को लेकर ट्रैफिक चालान और टोल राशि कटने का संदेश मिला। इसके चलते 2 हजार रुपये का ट्रैफिक चालान और 7,000 से 8,000 रुपये की टोल राशि उसके खाते से कटा। टीम द्वारा रजत डोम, हरी नगर के पास वाहन का पहचान कर आरोपी विजय सेन को पकड़ा। बहरहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है।

पांच सूत्रीय मांगों के लेकर शिक्षकों ने निकाली रैली

भिलाई। प्रदेश के एलबी संवर्ग के शिक्षक संगठनों के साझा मंच छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा दुर्ग ने टेट मुक्ति विशाल रैली निकाल कर प्रदेश के शिक्षक संवर्ग की लंबित समस्याओं एवं न्यायोचित मांगों के शीघ्र निराकरण के लिए राज्य शासन को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर तत्काल आवश्यक आदेश जारी करने की मांग की है। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा दुर्ग के जिला संयोजक शत्रुघन साहू, चन्द्रशेखर तिवारी और कमल वैष्णव ने कहा कि प्रदेश में कार्यरत शिक्षक संवर्ग लंबे समय से विभिन्न सेवा संबंधी विसंगतियों एवं समस्याओं का सामना कर रहा है। इन समस्याओं का सीधा प्रभाव शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, वेतन, पदोन्नति, पेंशन तथा भविष्य की सेवा-शर्तों पर पड़ रहा है। मोर्चा ने शासन से संवेदनशीलता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इन मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया है। मोर्चा ने मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव एवं संचालक के नाम तहसीलदार को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है।

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने ज्ञापन सौंपकर आदेश जारी करने की रखी मांग

1.टीईटी की अनिवार्यता समाप्त कर सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए : सेवारत शिक्षक संवर्ग के लिए टेट की अनिवार्यता समाप्त की जाए तथा शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मोर्चा का कहना है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टीईटी के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिए जाने के परिप्रेक्ष्य में सेवारत शिक्षकों की पदोन्नति में टीईटी की अनिवार्यता समाप्त की जानी चाहिए। वर्षों से शिक्षा विभाग में सेवा दे रहे शिक्षकों के अनुभव एवं सेवा हितों को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक एवं न्यायसंगत निर्णय लिया जाए।

2. पंचायत संवर्ग की प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा की गणना की जाए : शिक्षक एलबी संवर्ग की पंचायत संवर्ग में हुई प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करते हुए उन्हें सेवा अवधि के समस्त लाभ प्रदान किए जाएं। विशेष रूप से पुरानी पेंशन सहित शिक्षा विभाग में लागू सभी सेवा संबंधी लाभ प्रदान करने की दिशा में आवश्यक आदेश जारी किया जाए। मोर्चा ने कहा कि शिक्षकों की पूर्व सेवा को नजरअंदाज करना उनके दीर्घकालीन सेवा हितों के साथ न्यायसंगत नहीं है।

3. लंबित वेतन विसंगतियों का निराकरण एवं केंद्रीय वेतनमान लागू किया जाए : शिक्षक संवर्ग की लंबे समय से लंबित वेतन विसंगतियों का स्थायी समाधान किया जाए। मोर्चा ने मांग की है कि शिक्षकों के वेतन निर्धारण में केंद्रीय वेतनमान संरचना को आधार बनाया जाए, जिससे समान कार्य एवं समान जिम्मेदारी के अनुरूप शिक्षकों को न्यायोचित वेतन प्राप्त हो सके।

4. 13 फरवरी 2026 के राजपत्र में आवश्यक संशोधन किया जाए: छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती एवं पदोन्नति नियम संबंधी 13 फरवरी 2026 के राजपत्र में एलबी संवर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन किया जाए। मोर्चा का कहना है कि वर्तमान प्रावधानों में मौजूद विसंगतियों को दूर कर ऐसी नियमावली बनाई जानी चाहिए, जिससे शिक्षकों के पदोन्नति एवं सेवा हित सुरक्षित रहें तथा किसी भी संवर्ग के साथ अन्याय न हो।

5. बीएड शिक्षक संवर्ग के लिए ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की जाए : बीएड प्रशिक्षित शिक्षक संवर्ग से संबंधित आवश्यकताओं एवं सेवा हितों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट योजना बनाकर ब्रिज कोर्स के माध्यम से आवश्यक प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। इससे शिक्षकों की योग्यता संबंधी स्थिति स्पष्ट होगी और उनके भविष्य की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

शिक्षक हितों के लिए साझा संघर्ष जारी रहेगा : छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। शिक्षक अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं। ऐसे में उनकी सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान करना शासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।मोर्चा ने राज्य शासन से आग्रह किया है कि उपरोक्त सभी मांगों पर समयबद्ध एवं सकारात्मक निर्णय लेते हुए आवश्यक आदेश शीघ्र जारी किए जाएं। साथ ही शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ सार्थक चर्चा कर समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाए।मोर्चा ने स्पष्ट किया कि शिक्षक हितों से जुड़े इन महत्वपूर्ण विषयों पर संघर्ष लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से निरंतर जारी रहेगा।

ईपीएफ जमा करने में एजेंसी बरत रही अनियमितता, शिकायत

दुर्ग। नगरीय निकाय जनवादी सफाई कामगार यूनियन के पदाधिकारियों ने नगरीय निकाय मंत्री से मिलकर प्रदेश भर के प्लेसमेंट/ठेका सफाई कर्मचारियों, वाहन चालकों और स्वच्छता दीदियों की गंभीर समस्याओं व लंबित मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि प्रदेश के नगरीय निकायों में कार्यरत कामगारों को पिछले 2-3 महीनों से समय पर वेतन नहीं मिल रहा है, जिससे उनके सामने भारी आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इसके अलावा 8 घंटे के बजाय 10-11 घंटे कार्य कराने, सुरक्षा उपकरण (मास्क, ग्लव्स, जूते) न मिलने, तथा पीएफ और ईएसआई जमा करने में ठेकेदारों द्वारा बरती जा रही अनियमितताओं पर गहन चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात माननीय मंत्री महोदय ने तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों से बात कर वेतन विलंब एवं अन्य अनियमितताओं पर त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

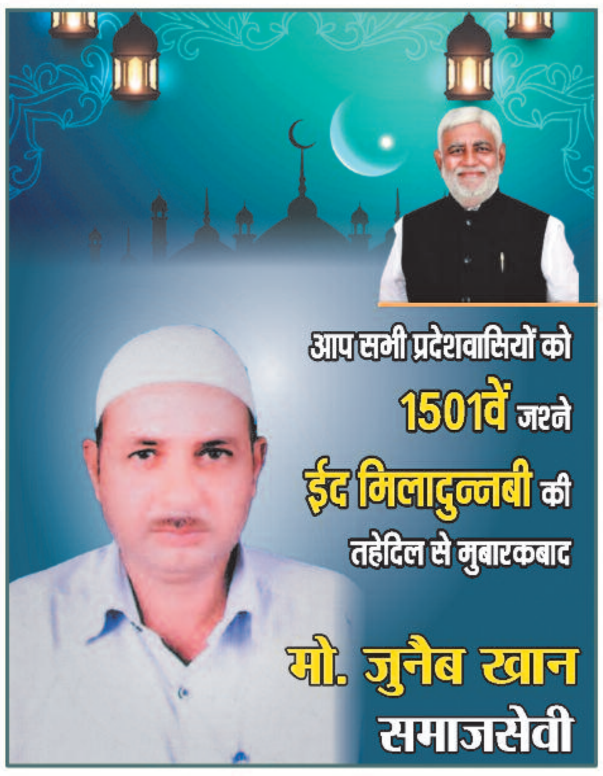

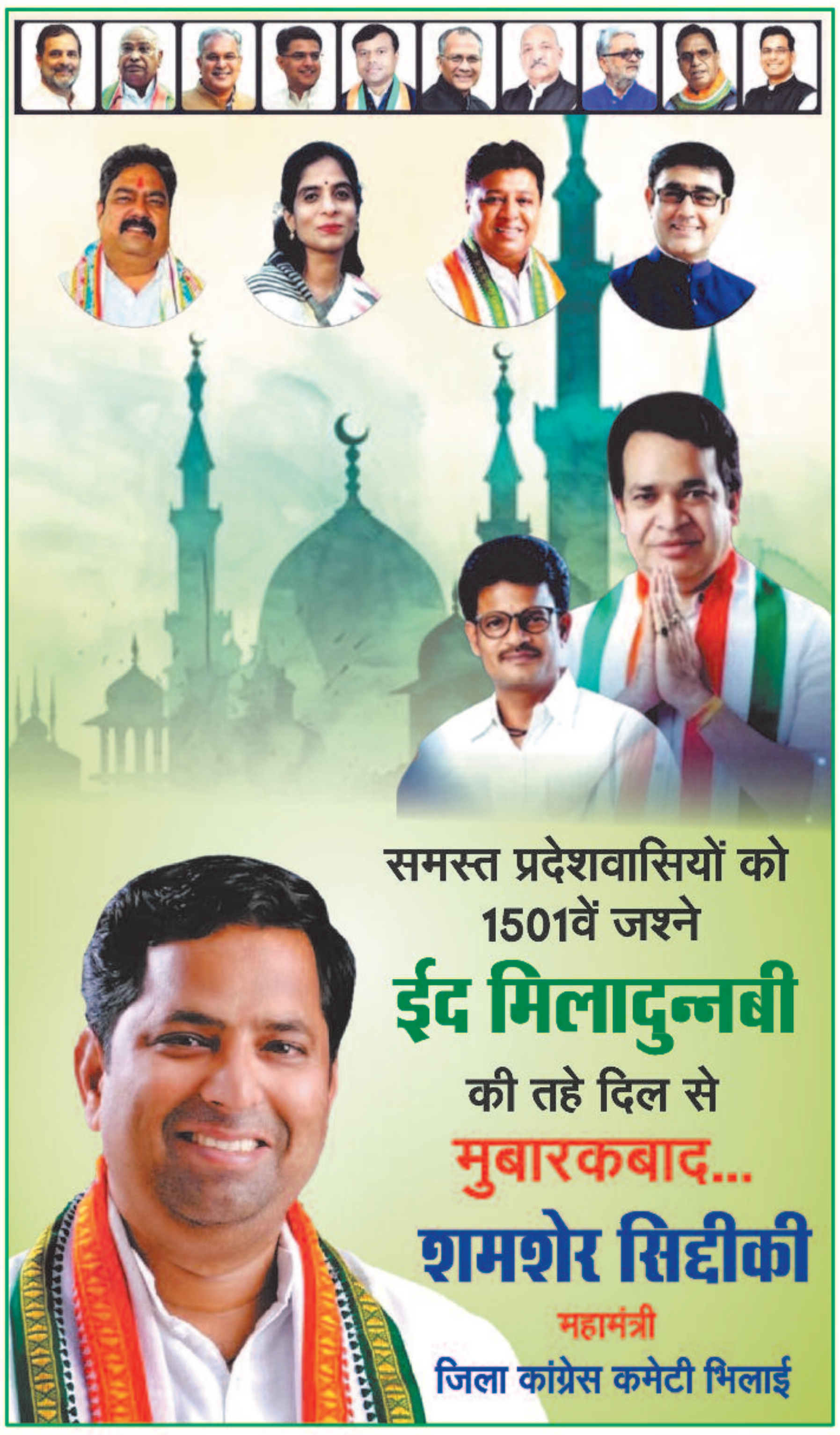

खबर संक्षेप

मूकबधिर से तीन युवकों ने की ठगी, अपराध दर्ज

भिलाई। लोन का सिविल स्कोर बढ़ाने का झांसा देकर मूकबधिर के साथ ठगी करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पदमनाभपुर पुलिस ने बताया कि मकान नंबर 118 बोरिया खुर्द सुंदर नगर रायपुर निवासी मुकबधिर मनीष कुमार पांडे, शुभम पांडे अनुवादक का काम करते है। मुकबधिर अनुराग देशमुख, ऋषभ शर्मा, शेखर देशमुख के साथ मिलकर प्लान के तहत लोन का सीविल स्कोर बढाने और कमीशन का झांसा देकर ठगी किया। पीड़ित को महाराजा चौक स्थित अनामिका इलेक्ट्रानिक से मनीष को एसी की रसीद.फोटो, आधार कार्ड, पेन कार्ड , एकाउंट स्टेटमेंट के आधार पर होम क्रेडिट फायनेंस कंपनी से 44 हजार 600 रुपए का आठ माह के लिए बिना जानकारी के फायनेंस कराया गया। पीड़ित को ईएमआई के रुप में 6197 रुपए कराया गया था। इस दौरान बिना हस्ताक्षर किए ओटीपी के माध्यम से मोबाईल अपने पास रखकर फायनेंस किया गया था। मुकबधिर मनीष को इसे लेकर कोई जानकारी नहीं थी। आईसीआईसी बैंक ब्रांच सीविल लाइन रायपुर के खाता से 5 जनवरी 2026 से ईएमआई 6866 रुपए कटने पर पीड़ित भाई शुभम पांडे द्वारा संपर्क किया। तब पता चला कि मूकबधिर मनीष के साथ छल कपट कर रकम की ठगी की गई।

निकाली कांवड़ यात्रा

पाटन। सनातन जागरण समिति, पाटन के तत्वावधान में भगवान शिव के प्रति आस्था एवं समर्पण के प्रतीक विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ सुबह 8 बजे नारायणपुर (घुघुवा-क) के बड़े तालाब स्थित भगवान गुमानेश्वर शिव मंदिर में जलाभिषेक किया गया।

निधन

श्यामा पांडे

दुर्ग। पद्मनाभपुर एमआईजी-104 निवासी श्यामा पांडे का मंगलवार को निधन हो गया। उनका अंतिम

संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष राजीव पांडे और श्री साईं मंदिर समिति के सदस्य संजीव पांडे की मां थीं।

अशोक कुमार यादव

दुर्ग। पद्मनाभपुर मुक्तनगर निवासी अशोक कुमार यादव का सोमवार

की रात आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे रामलाल यादव के पुत्र, प्रीति यादव के पति और श्रुति व कृति यादव के पिता थे।

मायादेवी बिजौरा

सेलूद। ग्राम दैमार निवासी माया देवी बिजौरा (69) का 22 अगस्त

शनिवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम दैमार में ही संपन्न हुआ। वह छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के पूर्व केंद्रीय युवा अध्यक्ष ललित कुमार बिजौरा की चाची तथा वीरेंद्र बिजौरा, ममता, कुसुमलता और मनीषा की माता थीं।

रीता खरे

भिलाई। भिलाई सेक्टर 2 निवासी

रीता खरे का निधन 23 अगस्त को हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे सिद्धांत व सावन खरे की मां थीं।

पी. श्रीनिवास राव

भिलाई। अक्कुपल्लि ग्राम के

निवासी वर्तमान में भिलाई सेक्टर-4, सड़क 14, क्वार्टर न. 7/ए में निवासी पी. श्रीनिवास राव का आकस्मिक निधन 25 अगस्त को हो गया। वे स्व. पोट्टी राममूर्ति के कनिष्ठ पुत्र एवं अक्कुपल्लि युवजन सेवा समिति के अध्यक्ष पोट्टी माधव राव के छोटे भाई थे।

स्वामी आत्मानंद शासकीय स्कूल सेलूद की बदहाली पर फूटा छात्रों का गुस्सा

शौचालय के लिए सड़क पर उतरे नौनिहाल एक घंटे तक दुर्ग-पाटन मार्ग कर दिया जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶|पाटन/ उतई/सेलूद

स्वामी आत्मानंद शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सेलूद में शौचालय और बाउंड्रीवाल की मांग को लेकर मंगलवार सुबह सैकड़ों छात्र-छात्राओं का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा। सुबह करीब 9 बजे विद्यार्थियों ने दुर्ग-पाटन मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। करीब एक घंटे तक मार्ग बाधित रहा, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई।

चक्काजाम की जानकारी मिलने के करीब एक घंटे बाद नायब तहसीलदार मनोज रस्तोगी मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और मांगों के निराकरण का आश्वासन दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने सड़क खाली कर दी और स्कूल लौट गए।

सवाल सांसद विजय बघेल ने 2 जनवरी को शिक्षा मंत्री को लिखा था पत्र, अब तक राशि स्वीकृत नहीं

एबीईओ ने किया स्कूल का निरीक्षण, इस्टीमेट बनाने के निर्देश

शिक्षा विभाग की ओर से एबीईओ प्रदीप महिलांगे भी स्कूल पहुंचे। उन्होंने बच्चों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और स्कूल परिसर का निरीक्षण किया। श्री महिलांगे ने विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बच्चों से सड़क पर आंदोलन करने के बजाय अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील भी की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल के जर्जर शौचालय और क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवाल की स्थिति देखी। स्थिति को देखते हुए उन्होंने प्राचार्य मिताली सेन को आवश्यक निर्माण कार्य का इस्टीमेट तैयार कर भेजने के निर्देश दिए, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

जर्जर शौचालय, क्षतिग्रस्त सीसीटीवी और कमजोर बाउंड्रीवाल

प्राचार्य ने अधिकारियों को स्कूल के जर्जर हो चुके शौचालय की

स्थिति दिखाई। बताया गया कि असामाजिक तत्वों द्वारा शौचालय को क्षतिग्रस्त किया गया है। स्कूल में सुरक्षा के लिए लगाया गया सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया गया है। वहीं स्कूल की बाउंड्रीवाल कई स्थानों से टूट चुकी है और पुरानी बाउंड्रीवाल काफी नीची है। इसके कारण शाम होते ही असामाजिक तत्वों के स्कूल परिसर में प्रवेश करने की शिकायत है। इससे स्कूल की संपत्ति को नुकसान पहुंचने के साथ ही विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

सांसद विजय ने भी 2 जनवरी को लिखा था पत्र

स्कूल की समस्या को लेकर यह भी सामने आया है कि सांसद विजय बघेल ने 2 जनवरी को शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर सांसद प्रतिनिधि की मांग के संदर्भ में स्कूल में आवश्यक निर्माण कार्य के लिए राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया था। बावजूद इसके अब तक राशि स्वीकृत नहीं होने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब सांसद स्तर से जनवरी में ही पत्र लिखा जा चुका था, तो राशि स्वीकृति और निर्माण कार्य में अब तक देरी क्यों हुई? आखिरकार बच्चों को अपनी मूलभूत जरूरत के लिए सड़क पर उतरकर चक्काजाम करने की नौबत क्यों आई?

सरपंच ने मांगी पुलिस गश्त

सरपंच खिलेश मार्कण्डेय ने बताया कि ग्राम पंचायत की ओर से स्कूल में शौचालय और बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग की गई है। साथ ही स्कूल मैदान और परिसर के आसपास शाम के समय पुलिस गश्त लगाने की मांग भी की गई है, ताकि असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। अब बच्चों के चक्काजाम के बाद प्रशासन हरकत में आया है। देखना होगा कि इस बार आश्वासन और इस्टीमेट की प्रक्रिया से आगे बढ़कर स्कूल को वास्तव में शौचालय, मजबूत बाउंड्रीवाल और सुरक्षित परिसर कब तक मिल पाता है।

अंचल की खबरें

प्राचार्यों की लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग

सेलूद। छत्तीसगढ़ प्राचार्य फेडरेशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने संगठन के संरक्षक एवं छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह तथा लोक शिक्षण संचालक डॉ. ऋतुराज रघुवंशी से मुलाकात कर प्राचार्यों की विभिन्न लंबित समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने प्राचार्यों की पदोन्नति, लंबित समयमान वेतनमान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में भृत्य व लिपिकों की व्यवस्था तथा शनिवार को विद्यालयों के प्रातःकालीन संचालन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से रखा। वरिष्ठ प्राचार्यों को समयमान वेतनमान प्रदान करने पर शिक्षा सचिव ने सहमति व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल द्वारा यह अवगत कराने पर कि प्रस्ताव पूर्व में ही संचालनालय को भेजा जा चुका है, सचिव ने प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कर स्वीकृति देने का आश्वासन दिया। वहीं, प्राचार्यों एवं शिक्षकों की पदोन्नति पर भी शीघ्र कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया। बैठक के दौरान टीईटी संबंधी ज्वलंत मुद्दों पर भी ज्ञापन सौंपकर विस्तृत चर्चा की गई।

आज सजेगा देशभर की कलाप्रतिभाओं का रंगमंच

भिलाई। देशभर की कला प्रतिभाओं को मंच देने वाला पांच दिवसीय अखिल भारतीय कला महोत्सव 'रंग-तरंग-2026' 26 से 30 अगस्त तक सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन 26 अगस्त को सुबह 9 बजे होगा।रविन्द्र निकेतन, कालीबाड़ी, हुडको एवं गीता आर्ट्स, एक्ट एंड नृत्य एसोसिएशन (गाना) के संयुक्त तत्वावधान तथा कला-साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ (कवच) की परिकल्पना से आयोजित इस महोत्सव में नाट्य, नृत्य, संगीत, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सम्मान समारोह होंगे। आयोजन प्रमुख बबलू बिश्वास ने बताया कि नई प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से 26 से 29 अगस्त तक सुबह 8.30 बजे से ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 12 नाट्य दलों के शामिल होने की संभावना है। 'कलावती सामंत स्मृति गायन प्रतियोगिता', 'स्मृति नमन' बीएसपी के स्थापना काल के दिवंगत प्रतिष्ठाता कलाकारों एवं साहित्यकारों का नमन - स्मरण तथा 27 अगस्त को स्व. मुकेश जी की 50वीं पुण्यतिथि पर विशेष गीत-संगीत कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण होंगे। आयोजन की अंतिम तैयारियों की समीक्षा कला-साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शक्तिपद चक्रवर्ती, कार्यकारी अध्यक्ष मणिमय मुखर्जी, प्रवक्ता एवं प्रचार-प्रसार प्रमुख शांतनु दासगुप्ता आदि मौजूद थे।

पेंड्रावन में छात्रों ने फिर किया चक्काजाम शिक्षकों की कमी दूर करने सहित कई मांगें

हरिभूमि न्यूज ▶▶|धमधा

धमधा ब्लॉक के ग्राम पंचायत पेंड्रावन में छात्रों का आंदोलन मंगलवार को एक बार फिर उग्र हो गया। अपनी मांगों को लेकर बड़ी संख्या में छात्र खैरागढ़-धमधा मुख्य मार्ग पर बैठ गए और चक्काजाम कर दिया। छात्रों के प्रदर्शन के चलते मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा।

- **कलेक्टर या शिक्षा मंत्री के मौके पर पहुंचने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी**

गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को भी छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर इसी मार्ग पर चक्काजाम किया था। उस समय मौके पर एसडीओपी, एसडीएम और तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे थे। अधिकारियों ने छात्रों को उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद जिला शिक्षा विभाग की ओर से तत्काल दो शिक्षकों को अटैच करने की कार्रवाई भी की गई थी।

आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ समाधान

छात्रों का आरोप है कि अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद अब तक न तो शिक्षक स्कूल पहुंचे और न ही उनकी सभी मांगों पर ठोस निर्णय लिया गया। इससे नाराज छात्रों ने मंगलवार को दोबारा सड़क पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

छात्रों की तीन प्रमुख मांगें

छात्रों की मांग है कि ओपन स्कूल व्यवस्था को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए। छात्रों का कहना है कि स्कूल में ओपन स्कूल व्यवस्था को लेकर उनकी गंभीर आपत्ति है और इसे पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए। दूसरी मांग सभी विषयों में शिक्षक व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर है। छात्रों ने सभी विषयों के लिए पर्याप्त शिक्षकों की तत्काल व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि नियमित पढ़ाई प्रभावित न हो। वहीं तीसरी मांग प्राचार्य को तत्काल हटाने की है।छात्रों ने प्राचार्य की कार्यप्रणाली और कथित अभद्र व्यवहार को लेकर भी नाराजगी जताई है।

कलेक्टर या शिक्षा मंत्री से सीधी बातचीत की मांग

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने स्पष्ट कर दिया है कि अब वे केवल आश्वासन के आधार पर आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। छात्रों की मांग है कि शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव या दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह स्वयं मौके पर पहुंचकर उनसे बातचीत करें। छात्रों ने कहा है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। पेंड्रावन में लगातार दूसरे बड़े प्रदर्शन के बाद अब प्रशासन के सामने छात्रों की मांगों का समाधान करने की चुनौती है। वहीं खैरागढ़-धमधा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम के चलते यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अब देखना होगा कि प्रशासन छात्रों से बातचीत कर आंदोलन समाप्त कराने के लिए क्या कदम उठाता है।

जांच प्रतिवेदन सौंपा गया

"छात्रों की तीनो मांगो को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से कलेक्टर को जांच प्रतिवेदन सौंप दिया गया है। एक दिन के भीतर आदेश आ जाएगा।

अथर्व शर्मा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धमधा

क्रिकेट टीम का चयन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सत्र 2026-27 के लिए अंडर-14, अंडर-16, अंडर-23 एवं सीनियर (पुरुष) तथा अंडर-15, अंडर-19, अंडर-23 एवं सीनियर (महिला) वर्गों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बीएसपी की टीमें भी भाग लेंगी। भिलाई इस्पात संयंत्र की क्रिकेट टीम के गठन हेतु पंजीयन प्रक्रिया बुधवार को बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर में सुबह 9 बजे से होगी। इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित तारीख एवं समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर पंजीयन करा सकते हैं। अंडर-14 (बालक) वर्ग में भाग लेने के लिए प्रतिभागी की जन्मतिथि 1 सितंबर 2012 से 31 अगस्त 2014 के मध्य होना आवश्यक है। इसी प्रकार अंडर-16 (बालक) वर्ग में भाग लेने के लिए प्रतिभागी की जन्मतिथि 01 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2013 के मध्य, अंडर-19 (बालक) वर्ग में भाग लेने के लिए प्रतिभागी का जन्म 01 सितंबर 2008 के बाद तथा अंडर-23 (बालक) वर्ग के लिए जन्मतिथि 01 सितंबर 2004 से 31 अगस्त 2008 के मध्य होना निर्धारित है। सीनियर पुरुष वर्ग श्रेणी में भी पंजीयन किया जाएगा।

कला मंदिर में प्रतिभा सम्मान समारोह श्रमिकों के बच्चों को किया प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा बीएसपी में कार्यरत ठेका कर्मियों के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहित करने मंगलवार को महात्मा गांधी कला मंदिर में प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार मुख्य आतिथि थे। विशिष्ट महाप्रबंधक प्रभारी एबी श्रीनिवास, संजय द्विवेदी; महाप्रबंधक राजीव कुमार तथा शिखा दुबे उपस्थित थीं।

बीएसपी इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल, सेक्टर-6 के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण में श्री श्रीनिवासन ने प्रोत्साहन योजना के उद्देश्यों की जानकारी दी। पवन कुमार ने कहा कि इस प्रकार के योग्यता पुरस्कार विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त कर बेहतर प्रदर्शन करने तथा जीवन में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से प्रबंधन की सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है।

- **पुरस्कार से बेहतर प्रदर्शन के लिए बच्चे होंगे प्रेरित : पवन कुमार**

180 बच्चों को किया सम्मानित

सत्र 2024-25 में कक्षा 8 वीं, 10वीं एवं 12वीं में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमश:5 हाजर रुपए 8 हजार व 10 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। 180 चयनित विद्यार्थियों को 13,80,000 की पुरस्कार राशि वितरित की गई। इनमें टाउनशिप क्षेत्र के 55 विद्यार्थी कक्षा 8वीं से, 54 विद्यार्थी कक्षा 10वीं से तथा 55 विद्यार्थी कक्षा 12वीं से शामिल हैं। इसके अतिरिक्त माइंस क्षेत्र के 16 विद्यार्थी भी इस सम्मान से लाभान्वित हुए। इस अवसर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में से भावना यादव (कक्षा 12वीं), तन्मय राउत (कक्षा 12वीं) एवं विधि लोधी (कक्षा 10वीं) ने अपने अनुभव बांटे। शिखा दुबे ने आभार प्रदर्शन व संचालन वरिष्ठ शिक्षिका, एसएसएस सेक्टर-10 रश्मि मिश्रा एवं वरिष्ठ शिक्षिका महुआ चटर्जी ने किया।

एंटी-रैगिंग के लिए किया जागरूक, राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग में एंटी-रैगिंग सेल द्वारा एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम तथा विधि अध्ययनशाला एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई। कुलाधिपति सुशील चंद्राकर,उप कुलपति डॉ. आलोक भट्ट,कुलसचिव डॉ. विरेन्द्र कुमार स्वर्णकार निदेशक आरपी अग्रवाल, डॉ. अजय सिंह एवं डॉ. मनोज मौर्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रो .आस्था चतुर्वेदी ने किया। विधि संकाय सहायक प्राध्यापक आकांक्षा झा ने रैगिंग के विभिन्न पहलुओं एवं सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों के संबंध में विद्यार्थियों से जानकारी साझा की। सहायक प्राध्यापक दीपान्विता चटर्जी, संपदा बैस, सरिता गुप्ता, सुष्मिता बोस, योगिता सिन्हा एवं प्रियान्शु चौधरी उपस्थित थे। प्रथम दिवस 10 टीमों के मध्य आरंभिक चरण में कल्याण लॉ कॉलेज दुर्ग की प्राचार्य डॉ. सुशीला यादव एवं विश्वविद्यालय विधि अध्ययनशाला की प्रभारी डॉ. आस्था चतुर्वेदी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। द्वितीय दिवस सेमीफाइनल में पहुंची शीर्ष चार टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा के बाद फाइनल राउंड आयोजित हुई। जिसके निर्णायक वरिष्ठ अधिवक्ता एसके सिंह एवं अरविंद कुमार सिंह रहे। सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार पायल अग्लॉवे, आरती कंवर राजपुरोहित एवं सोनम की टीम को सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल का पुरस्कार तमन्ना कुरैशी, अर्चिता ठाकुर एवं यश प्रजापति की टीम को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार पायल अग्लॉवे को मिला।

अहिवारा में तप, त्याग और धर्म का उत्सव

अहिवारा। नगर में चल रहे जैन समाज के पावन चातुर्मास के अंतर्गत धर्म, तप, त्याग और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर के प्रतिष्ठित धरमचंद बाफना परिवार के तीन तपस्वियों संतोष बाफना, शिखा

बाफना एवं रौनक बाफना की कठिन तप-साधना के अनुमोदनार्थ भव्य वरघोड़ा एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। विशेष रूप से संतोष बाफना ने 30 दिनों की कठिन मासखमण तपस्या पूरी की। वहीं उनके साथ शिखा बाफना एवं रौनक बाफना ने भी कठिन तपस्या कर पूरे परिवार, अहिवारा नगर एवं जैन समाज को गौरवान्वित किया। समाज के वरिष्ठ धरमचंद बाफना लंबे समय से जैन समाज एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय और सम्मानित व्यक्तित्व के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। तपस्वियों के सम्मान में निकले भव्य वरघोड़े का शुभारंभ जैन भवन, अहिवारा से हुआ। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वरघोड़ा बस स्टैंड पहुंचा तथा वहां से पुनः मंगल भवन में संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने तपस्वियों का अभिनंदन किया और नगर धर्ममय वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर विशेष रूप से रविन्द्र चौबे, ताम्रध्वज साहू, बिसरा राम यादव,डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, लाभचंद बाफना,राकेश ठाकुर, प्रदेश चेम्बर मंत्री प्रथम बाफना और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुप्ता सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। जैन समाज एवं चातुर्मास आयोजन से जुड़े वरिष्ठजनों में कैलाश नाहटा , अशोक बाफना, जितेंद्र बाफना, चंचल बाफना, प्रदीप कोचर, लाभचंद और विजय जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार,दुर्ग 04 (छ.ग.)
मामला क्रमांक / 202607104100089 /अ-21(2)/20/2025-26

// उद्घोषणा पत्र //

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि माननीय न्यायालय कलेक्टर, दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) के पृ.क्र./72/प्र.ले. /2026 दुर्ग, दिनांक 25.06.2026 के माध्यम से कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) दुर्ग के माध्यम से पत्र क्रमांक- 1622 दिनांक 06.07.2026, प्राप्ति दिनांक 24.07.2026 के अनुसार आवेदिका सरिता सूर्यवंशी पति टूमन लाल सूर्यवंशी निवासी- सुंदर नगर बोरसी, तह. व जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा मौजा बोरसी सुन्दर नगर बोरसी ख.नं. 247 / 192 रकबा 1500 वर्गफीट भूमि को मकान बनाने के लिए हाउसिंग ऋण लिया था।

वर्तमान में आवेदिका की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उक्त भूमि मौजा ग्राम नगपुरा प.ह.नं. 03 रा.नि.मं. नगपुरा तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 2035/1 रकबा 0.32 हे. को भानुमती साव पति श्री मुकुंद लाल साव (अन्य पिछड़ा वर्ग) को विक्रय करने का सौदा कर आवेदन जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि को विक्रय करने की अनुमति चाही गई है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 17/9/26 तक स्वयं अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद मे प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नही किया। आज दिनांक 24/8/26 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से यह पत्र प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

ONAM
Joy Tradition and Togetherness
Kerala's Grand Celebration

Kerala: Onam is one of Kerala's most vibrant and widely celebrated festivals, symbolizing prosperity, happiness, unity and the rich cultural heritage of the state. Celebrated with great enthusiasm by people across Kerala and beyond, the festival brings families and communities together in a spirit of joy and togetherness.

The festival is traditionally associated with the legendary King Mahabali, whose reign is remembered as a golden era of peace, equality and prosperity. According to popular belief, Mahabali returns to Kerala during Onam to meet his people, making the festival a celebration of love, respect and cultural traditions.

One of the major attractions of Onam is the beautiful Pookalam, colorful floral decorations created at the entrance of homes. Traditional games, cultural programs, music and dance performances add to the festive atmosphere.

The Onam Sadya, a grand traditional vegetarian feast served on banana leaves, is another highlight of the celebration. It includes a variety of traditional Kerala dishes, making the feast an important part of the festival.

Traditional Vallam Kali, or snake boat races, are also closely associated with Onam. Decorated boats race through Kerala's waterways amid enthusiastic cheering, creating a spectacular cultural experience.

Onam is more than a festival—it represents Kerala's spirit of harmony, tradition and togetherness. Homes are decorated, people wear traditional attire, and families come together to celebrate the occasion with happiness and gratitude.

With its colorful traditions, delicious cuisine, cultural performances and strong message of unity, Onam showcases the unique cultural identity of Kerala and continues to bring people together year after year.

हरिभूमि लाइव
रायपुर, बुधवार 26 अगस्त 2026
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

रिमझिम फुहारों के बीच सजा सावन ...

लाइव इवेंट

भिलाई के 16 कलाकारों ने अर्पित की सुरांजलि, 160 कलाकारों की प्रस्तुतियों से सजा सुरेर कैनवास

भिलाई। रवींद्रनाथ ठाकुर और काज़ी नज़रुल इस्लाम की कालजयी रचनाओं, संगीत, नृत्य और काव्य चेतना को समर्पित भव्य संगीत-नृत्य आलेख्य सुरेर कैनवासे का आयोजन रवींद्र भवन, दमदम, कोलकाता में हुआ। इस सांस्कृतिक संध्या में सभागार दर्शकों से खचाखच भरा रहा। करीब 160 कलाकारों ने गीत, नृत्य, आवृत्ति, वाद्य संगत और भाष्य के माध्यम से दोनों महाकवियों की रचनात्मक चेतना को मंच पर जीवंत किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वरिष्ठ संगीत शिल्पी अनुसुइया मुखर्जी रहीं। विशिष्ट अतिथियों में रवींद्र संगीत गायक श्रीकांत आचार्य एवं रवींद्र संगीत तथा नजरुल संगीत के गायक प्रबुद्ध राहा उपस्थित रहे। 70 से 75 वर्ष के अनुभवी गायकों के साथ करीब 15 वर्ष के युवा कलाकारों ने मंच साझा किया। रामकृष्ण मिशन स्कूल, नरेंद्रपुर के 15 युवा गायकों सहित करीब 10 अन्य युवा गायकों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वरिष्ठ स्वरों की परिपक्वता और युवा कंठों की ऊर्जा ने कार्यक्रम को विशेष भावनात्मक ऊंचाई दी।

भिलाई के कलाकारों ने दी सुरांजलि

कार्यक्रम में भिलाई की सांस्कृतिक संस्था रवींद्र सुधा की विशेष सहभागिता रही। संगीत गुरु विश्वजीत सरकार के नेतृत्व में भिलाई के 16 गायक-गायिकाओं ने दोनों महाकवियों की रचनाओं के माध्यम से भावपूर्ण सुरांजलि अर्पित की। इनमें संचयिता राय, दीपान्निता पाल, अनिता मुखर्जी, सुचिता मुखर्जी, सुमिता डे, महुआ भौमिक, आल्पना तालुकदार, बनानी विश्वास, संगीता चटर्जी, प्रतिमा दरीपा, सोमा राय, भाश्वती बोस, श्रावणी दास, सुतापा पात्र, रनबीर पाल एवं मणिमय मुखर्जी शामिल रहे। इनकी सामूहिक प्रस्तुति में रवींद्र संगीत की आत्मीयता और नजरुल गीतों की ओजपूर्ण चेतना दिखाई दी। नृत्यांगनाओं की भावपूर्ण अभिव्यक्ति, सधी हुई भाव-भंगिमाओं और लय-ताल पर साधे कदमों ने प्रस्तुतियों को दृश्य सौंदर्य प्रदान किया। कार्यक्रम के भाष्य में सतीनाथ बंदोपाध्याय तथा एंकर एवं भाष्य में तनुश्री ने प्रस्तुतियों के बीच सुंदर सेतु का कार्य किया। सतीनाथ मुखोपाध्याय, मिताली बैनर्जी एवं विश्वजीत बंदोपाध्याय के संयोजन और मार्गदर्शन से आयोजन को आकार मिला। संगीत, नृत्य, गायन, वाद्य संगत और प्रभावशाली संचालन के समन्वय ने 'सुरेर कैनवासे' को दो महाकवियों के प्रति सामूहिक कलात्मक प्रणति बना दिया।

लाइव इवेंट

बच्चों को गणितीय क्षमता बढ़ाने नई तकनीकों और विधियों का करा रहे अभ्यास

भिलाई। दुर्ग जिले में शैक्षिक गुणवत्ता को लेकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट प्राचार्य पीसी मरकले द्वारा स्कूल, संकुल, जोन, ब्लॉक और जिला स्तर पर शैक्षिक गतिविधि प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। जिसमें सभी शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने स्कूल स्तर पर सभी शिक्षक निर्धारित विषयों को लेकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जिसमें सभी बच्चों को हिंदी-अंग्रेजी भाषा धारा प्रवाह लिखना-पढ़ना भी सिखा रहे हैं। वहीं गणितीय क्षमता बढ़ाने के लिए नई नई तकनीकों और विधियों अभ्यास कराए जा रहे हैं।इन सभी गतिविधियों को मूर्त रूप देने के लिए संकुल स्तर पर शैक्षिक समन्वयक, विकासखंड स्तर पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी और जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सहायक संचालक, जिला मिशन समन्वयक कार्यालय से सहायक परियोजना समन्वयक, सहायक परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा दुर्ग एवं डाइट के समस्त संकाय सदस्य नियमित रूप से अवलोकन कर रहे है। नोडल प्रतिनिधि सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने एवं परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए प्राचार्य के मार्गदर्शन में समस्त डाइट के अकादमिक सदस्यों द्वारा जिले में संचालित अटल टिंकरिंग लैब, व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित विद्यालयों एवं विषय वार अध्ययन अध्यापन को लेकर जुलाई से अगस्त माह के बीच में टीम बनाकर शैक्षिक अवलोकन किया गया। इसके बाद प्राचार्यों, अटल टिंकरिंग लैब प्रभारी व्याख्याताओं, विकास खंड शिक्षा अधिकारी, सहायक संचालक और डी एम सी के साथ बैठकें लेकर प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए रणनीति तैयार की गई है। इसी के अंतर्गत सितंबर और अक्टूबर माह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता डाइट अछोटी दुर्ग में आयोजित की जाएगी।

28 अगस्त को रक्षाबंधन, 5.57 से 9.48 बजे तक राखी बांधने का शुभ मुहूर्त, इस बार पूरे दिन भद्रा से राहत

रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं, इष्ट देव को रक्षा सूत्र अर्पित कर दिनभर सजेगी भाइयों की कलाई पर राखी

भाई-बहन के स्नेह और अटूट विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन सनातन धर्म के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस बार यह त्योहार श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि 28 अगस्त शुक्रवार को बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्यो के अनुसार इस वर्ष रक्षाबंधन की सबसे विशेष बात यह है कि बहनों को भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने के लिए भद्रा का साया नहीं मिलेगा, जिससे पूरा दिन अत्यंत मंगलकारी रहेगा।शुक्रवार की सुबह 9.48 बजे तक श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि रहेगी, इसलिए ज्योतिषों ने सलाह दी है कि सुबह साढ़े 9 बजे से पहले तक अपने इष्ट देवी-देवताओं की पूजा कर उन्हें रक्षा सूत्र बांधे और अपने भाईयों के लिए ली हुई राखियों को भगवान के समक्ष अर्पित कर रखें। जिसके बाद अर्पित की गई राखियों को दिन भर किसी भी समय अपने भाईयों की कलाईयों पर मंत्रोच्चारण कर रक्षा सूत्र बांध सकते है।

भिलाई। रक्षाबंधन भावनात्मक जुड़ाव का पर्व है, जब कलाई पर बंधने वाला छोटा-सा रक्षासूत्र भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और साथ निभाने के संकल्प को मजबूत करता है। इस बार रक्षाबंधन को लेकर एक खास बात यह है कि 28 अगस्त को भद्रा का कोई प्रभाव नहीं रहेगा, इसलिए बहनें बिना किसी संशय के शुभ मुहूर्त में भाइयों को राखी बांध सकेंगी।

28 को मनाया जाएगा रक्षाबंधन

आचार्य पं संदीप तिवारी ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को सुबह 9 बजकर 8 बजे शुरू होकर 28 अगस्त को सुबह 9.48 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार 28 अगस्त को सूर्योदय के समय पूर्णिमा विद्यमान रहने के कारण इसी दिन रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। शुक्रवार को पड़ रहे इस पर्व को लेकर घरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। बहनें राखी, मिठाई और पूजा की थाली तैयार करेंगी, वहीं भाई भी बहनों के लिए उपहार की तैयारी करेंगे।

सुबह 5.57 से 9.48 बजे तक शुभ मुहूर्त

राखी बांधने के लिए 28 अगस्त को सुबह 5.57 बजे से सुबह 9.48 बजे तक का समय शुभ माना गया है। इस मुहूर्त की अवधि 3 घंटे 51 मिनट रहेगी। सुबह का यह समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दौरान पूर्णिमा तिथि विद्यमान रहेगी। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11.56 से 12.48 बजे तक रहेगा। अपराह्न में दोपहर 1.52 से शाम 4.35 बजे तक भी राखी बांधी जा सकती है। वहीं सुबह 10.46 से दोपहर 12.22 बजे तक राहुकाल रहेगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में शुभ कार्य करने से बचने की सलाह दी जाती है। ऐसे में बहनों के लिए सुबह का मुख्य शुभ मुहूर्त सबसे सुविधाजनक और बेहतर रहेगा।

27 अगस्त की रात खत्म हो जाएगी भद्रा

रक्षाबंधन पर हर साल भद्रा को लेकर विशेष सावधानी बरती जाती है। इस बार बहनों के लिए राहत की बात है। पंचांग गणना के अनुसार भद्रा 27 अगस्त को सुबह 9.08 बजे से रात 9.32 बजे तक रहेगी। यानी 27 अगस्त की रात तक ही भद्रा समाप्त हो जाएगी। 28 अगस्त यानी रक्षाबंधन के दिन भद्रा का कोई प्रभाव नहीं रहेगा। ऐसे में बहनें बिना किसी संकोच के सुबह शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांध सकती हैं।

राखी में बदलते दौर के साथ जुड़ रहा नया रंग

आज रक्षाबंधन केवल एक ही शहर या एक ही घर में साथ बैठकर मनाया जाने वाला पर्व नहीं रह गया है। पढ़ाई, नौकरी और व्यवसाय के कारण भाई-बहन अलग-अलग शहरों में रहते हैं, लेकिन तकनीक ने दूरी कम कर दी है। कहीं ऑनलाइन राखी भेजी जा रही है तो कहीं वीडियो कॉल पर तिलक और आरती की रस्म पूरी हो रही है। बाजार में पारंपरिक धागों के साथ हस्तनिर्मित, पर्यावरण अनुकूल और व्यक्तिगत संदेश वाली राखियों की भी मांग बढ़ी है।

रक्षासूत्र बांधने का मुहूर्त

रक्षाबंधन 28 अगस्त, शुक्रवार को राखी बांधने का मुख्य शुभ समय सुबह 5.57 से 9.48 बजे तक। मुहूर्त की अवधि- 3 घंटे 51 मिनट, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11.56 से 12.48 बजे तक, अपराह्न मुहूर्त दोपहर 1.52 से शाम 4.35 बजे तक, भद्रा 27 अगस्त, सुबह 9.08 से रात 9.32 बजे तक। रक्षाबंधन के दिन भद्रा रहित, राहुकाल सुबह 10.46 से दोपहर 12.22 बजे तक।

पौराणिक और सामाजिक महत्व

रक्षाबंधन का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। भविष्य पुराण के अनुसार, जब असुरों के राजा बलि ने देवताओं पर आक्रमण किया, तब इंद्र की पत्नी शची ने इंद्र की रक्षा के लिए उनकी कलाई पर एक रेशमी धागा बांधा था, जिससे देवताओं की विजय हुई। वहीं महाभारत काल में, जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली में चोट लगी थी, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनकी उंगली पर बांध दिया था।

शिवनाथ कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का हुआ स्वागत, सेवा शिविर में मिली स्वास्थ्य सुविधा

भिलाई। सावन के पावन अवसर पर शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति द्वारा उपकार चंद्राकर के नेतृत्व में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। सुपेला चौक में सरयूपरीय ब्राह्मण समाज युवा प्रकोष्ठ की ओर से कांवड़ यात्रियों के स्वागत एवं सेवा के लिए विशेष सेवा अभियान चलाया गया। युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश पाण्डेय के नेतृत्व में श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा और श्रद्धा भाव से स्वागत किया गया। यात्रियों की सुविधा के लिए ब्राह्मण समाज, एचएमजीएम टीम एवं सिद्धिविनायक मल्टीस्पेशालिटी अस्पताल के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में श्रद्धालुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ फल, पानी एवं अन्य जरूरी सामग्री वितरित की गई। दूर-दराज से पैदल चलकर आने वाले कांवड़ यात्रियों को राहत देने के लिए पैरों के दर्द निवारक स्प्रे की भी व्यवस्था की गई।

लोकेश पाण्डेय ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सेवा सामाजिक दायित्व के साथ भगवान शिव की भक्ति का माध्यम भी है। सावन में दूर-दराज से पैदल आने वाले श्रद्धालुओं की सहायता करना सौभाग्य की बात है। प्रयास है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को असुविधा न हो और उन्हें सेवा, सहयोग एवं अपनत्व का अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही सेवा कार्यों को सफल और व्यापक बनाया जा सकता है। सेवा अभियान में सरयूपरीय ब्राह्मण समाज अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा, महासचिव रामखिलावन मिश्रा, दिनेश, दुर्गेश पाण्डेय, लक्की पाण्डेय, गौरव पाण्डेय, दीपक शर्मा, सुमित शर्मा, अशोक द्विवेदी, अनूप पाण्डेय, अंकित मिश्रा सहित एचएमजीएम समूह की टीम से राजेश प्रसाद, विनय टंडन, प्रवीण सिंह, अक्षय सिंह, मुकेश जोशी, राहुल मांडवी, रवि जायसवाल, रौशन मराठा, दर्पण अग्रवाल और कुणाल अगासे ने सहभागिता की। सेवा शिविर में श्रद्धालुओं के बीच उत्साह और भक्ति का माहौल रहा।

शिविर में किया 25 यूनिट रक्तदान जागरूकता बढ़ाने की अपील

भिलाई। ईद मिलादुन्नबी के आयोजनों के सिलसिले में सैयदी सुन्नी जामा मस्जिद भिलाई 3 में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 25 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसे ब्लड डोनेट गुड होप ब्लड संस्था रायपुर की टीम ने संग्रह किया। इसका उपयोग विभिन्न बीमारियो से जुझ रहे रोगियों, गर्भवती महिलाओं और हादसों में घायल अत्यंत गंभीर मरीजों के लिए किया जाएगा। आयोजन समिति की ओर से रक्तदाताओं को सुरक्षित वाहन चालन के लिए हेलमेट उपहार में दिया गया। जानकारी देते हुए मोहम्मद इमरान ने बताया कि सभी रक्तदाताओं ने समाज के बीच रक्तदान को लेकर और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। आयोजन में सैयदी सुन्नी जामा मस्ज़िद भिलाई-3 से रुस्तम खान सदर,नसीम खान सेक्रेटरी, रईस अहमद कैशियर, मोहम्मद तौसीफ , तौहीद खान,अब्दुल हुसैन,मोहम्मद आरिफ,मोहम्मद हाशमी,अबुल हसन,तौसीफ हनफी, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद लतीफ ,अजहर खान मोहम्मद हाशमी ,फारूक चौहान,अब्दुल रियाज और अब्दुल लतीफ़ सहित अन्य लोगों का योगदान रहा। दी।

उम्र नहीं, जज्बा मायने रखता है... सियान महोत्सव के फाइनल में छाया उत्साह

कार्नर न्यूज

भिलाई। उम्र बढ़ने के साथ अक्सर लोग अन्य गतिविधियों में अपनी सक्रियता सीमित कर लेते हैं, लेकिन सियान महोत्सव के फाइनल में वरिष्ठ नागरिकों ने साबित कर दिया कि जिंदगी को खुलकर जीने की कोई उम्र नहीं होती। स्मृति नगर स्थित विवेकानंद भवन में आयोजित फाइनल मुकाबले में 50 से लेकर 80 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने डांस, सिंगिंग, रंगोली और कुर्सी दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मंच पर कहीं सुरों की महफिल सजी तो कहीं कदम थिरके और कहीं प्रतियोगिता जीतने का जोश नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद महेश वर्मा एवं समाजसेवी कन्हैया सोनी रहे। डांस प्रतियोगिता के 50 से 60 वर्ष वर्ग में त्रिलोकी साहू, 60 से 70 वर्ष वर्ग में डॉ. पूर्णिमा, शोभा बाजपेई, जबकि 70 से 80 वर्ष वर्ग में माला, बुलबुल और कमल विजेता रहे। इंस्ट्रूमेंट प्रतियोगिता में एम. जैन, सुरेश, दीपक टहलरामानी एवं विजय ने बाजी मारी।

वरिष्ठ प्रतिभाओं ने बिखेरा अपनी आवाज का जादू

सिंगिंग प्रतियोगिता में भी वरिष्ठ प्रतिभाओं ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। 50 से 60 वर्ष वर्ग में तस्लीम खान, अलका, तेज प्रताप एवं कल्पना सोनी, 60 से 70 वर्ष वर्ग में सुधा, कमल, चितरंजन, कांत पटेल एवं सुधीर, जबकि 70 से 80 वर्ष वर्ग में सुरेश, प्रदीप, सूट, माधुरी एवं आभा विजेता रहे। रंगोली प्रतियोगिता में माधुरी अग्रवाल, शोभा बाजपेई, नर्मदा धरे, सूर्यप्रभा मंडावसंकर, अर्चना मूलजी एवं आभा ने स्थान बनाया।

कुर्सी दौड़ के पुरुष वर्ग में सुधीर वैश्य, सत्येंद्र चड्ढा एवं प्रदीप गुप्ता, महिला वर्ग में ललिता श्रीवास, कांत जैन एवं सूर्यप्रभा विजेता रहीं। 75 वर्ष से अधिक आयु के महिला वर्ग में दीप्ति सिंह, कांत पटेल एवं दीप्ति दास ने बाजी मारी। पूरे महोत्सव में सर्वाधिक प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने वाले प्रतिभागियों को 'मैन ऑफ द सियान' का सम्मान दिया गया। स्वयंसिद्धा की डायरेक्टर सोनाली चक्रवर्ती द्वारा पुरुष वर्ग में भारत लाल मोगरे और महिला वर्ग में कल्पना सोनी को यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन नम्रता सेन ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. सविता, पिया भौमिक, जिया फरिश्ता एवं मनीष उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक राजीव चौबे, रोहन सिंह एवं ललित मोहन रहे।

50 से 80 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने डांस, सिंगिंग, रंगोली और कुर्सी दौड़ में दिखाया हुनर, भारत लाल और कल्पना बने मैन ऑफ द सियान

सिटी इवेंट

9 बेटियों-दामादों ने लिया तेला तप का संकल्प

दुर्ग। नेपाल केसरी मानव मिलन के संस्थापक राष्ट्रसंत मणिभद्र मुनि के सानिध्य में जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में धार्मिक आराधना, त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक साधना का क्रम जारी है। इसी क्रम में बाधमार परिवार की खुशबू बाधमार द्वारा की गई कठिन मासक्षमण तपस्या के उपलक्ष्य में अभिनंदन एवं अनुमोदना समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, सामाजिक बंधु एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालु शामिल हुए और तपस्वी खुशबू बाधमार का अभिनंदन कर उनकी तपस्या की अनुमोदना की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मणिभद्र मुनि ने कहा कि तपस्या से कर्मों की निर्जरा होती है। हमारे जितने कर्म कटेंगे, उतना ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि मनुष्य सुख का कारण स्वयं को मानता है, जबकि दुख का कारण पड़ोसी या भगवान को मान लेता है। वास्तव में अच्छे कर्मों का फल अच्छा और बुरे कर्मों का फल बुरा ही प्राप्त होता है। भोग के माध्यम से किसी को स्थायी सुख नहीं मिला है। भोग क्षणिक सुख का साधन है, जबकि तप और धर्म आत्मिक शांति एवं मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। महासती लक्ष्मी ने कहा कि श्रावक को सदैव मर्यादा में रहकर जीवन का निर्वहन करना चाहिए। व्रतों का पालन करते हुए संयमित जीवन जीना ही श्रावक धर्म की पहचान है। तपस्या और त्याग के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को आध्यात्मिक रूप से ऊंचा उठा सकता है।

तपस्या से प्रेरित होकर 9 जोड़ों ने लिया संकल्प

मासक्षमण तपस्वी खुशबू बाधमार की तपस्या से प्रेरित होकर परिवार के 9 बेटियों-दामादों ने एक साथ तीन उपवास यानी तेला तप करने का संकल्प लिया। इनमें आस्था-अमित छाजेड़, अवनी-विक्की गोलछा, अंशु-गौरव पारख, अंकित-अमित लालवानी, राजुल-अर्पण छाजेड़, श्रुति-श्रेयांश सेठिया, सृष्टि-अनुज कोचर, श्रेया-मेहुल पारख तथा ऋषभ-साक्षी झामण शामिल हैं। परिवार के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तेला तप का संकल्प लेना समारोह का विशेष आकर्षण रहा। श्रद्धालुओं ने तपस्वी की जय-जयकार और अनुमोदना के साथ सभी साधकों का उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में टीकाराम, मंजू संचेती सहित कुछ अन्य साधकों की मासक्षमण तपस्या भी चल रही है। वहीं अभिज्ञा जैन और अभिश्री जैन, पिता कमल पारख एवं माता पूनम पारख ने आठ की तपस्या पूर्ण की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं समाजजनों की उपस्थिति रही। पूरे वातावरण में तप, त्याग, संयम और धर्म आराधना की भावना दिखाई दी।

सिटी लाइव

उद्यमिता कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता जरूरी

भिलाई। मंगलवार को छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के द्वारा कोहका स्थित इन्दू आईटीआई स्कूल में आयोजित उद्यमिता कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेंबर के महामंत्री अजय भसीन, इंदू आईटीआई के डायरेक्टर एसके उमंग सहित चेंबर के पदाधिकारी, शिक्षक शिक्षिकाएं संस्थान के प्रतिनिधि एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देना, उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से परिचित कराना तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना। आज के युवा यदि कौशल, मेहनत और नवाचार को अपनाएं तो वे स्वयं रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ दूसरों को भी रोजगार देने वाले बन सकते हैं।

देवदास बंजारे की कला और योगदान को किया याद

भिलाई। अगासदिया परिसर में देवदास बंजारे स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रिखी क्षत्रिय के मादर वादन और महंत अंतराम के पंथी गीत गायन से हुई। डॉ. परदेशीराम वर्मा ने देवदास बंजारे के व्यक्तित्व एवं कला योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनकी जीवनी आरूग फूल को वर्ष 1999 में मध्यप्रदेश शासन का सप्रे सम्मान मिल चुका था। देवदास बंजारे ने 64 विदेशी मंचों पर पंथी कला की प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ की संस्कृति को विश्वभर में पहचान दिलाई। 26 अगस्त 2005 को एक दुर्घटना में उनका निधन हो गया। उन्होंने गुरु बाबा घासीदास के अमर संदेश को पंथी के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाया। राकेश गुप्ता ने कहा कि मैंने देवदास बंजारे के अद्भुत नृत्य को अजीत जोगी के कार्यकाल में देखा था। वे महान कलाकार थे। विनायक अग्रवाल ने कहा कि वे कबड्डी के खिलाड़ी थे। बाद में पंथी कला के कारण विश्व प्रसिद्ध हुए। समारोह में घनश्याम देवांगन, विनायक अग्रवाल, शरद कोकाश, रिखी क्षत्रिय, बद्रीप्रसाद पारकर और अरुण अग्रवाल ने भी देवदास बंजारे के कला एवं सामाजिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने उन्हें महान कलाकार, कुशल पंथी नर्तक और छत्तीसगढ़ का सच्चा सपूत बताया। रिखी क्षत्रिय ने मादर पर सात अलग-अलग विधाओं की धुनें प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कवि अब्दुल कलाम ने आभार व्यक्त करते हुए देवदास बंजारे के सरल एवं विनम्र व्यक्तित्व को याद किया।

● रिमझिम सावन में सावन तीज महोत्सव मनाया

रिमझिम फुहारों के बीच सजा सावन, तीज महोत्सव में बिखरे संस्कृति और उल्लास के रंग

भिलाई। रिमझिम फुहारों के बीच पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन के गीत, नृत्य और विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ तीज महोत्सव का उल्लास मनाया। मानव आश्रम सेक्टर-1 भिलाई स्थित कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच के सभागार में कान्यकुब्ज समाज कार्यकारिणी की महिलाओं एवं समाज की महिलाओं ने सावन तीज महोत्सव का आयोजन किया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं की मौजूदगी से कार्यक्रम स्थल पर सामाजिक समरसता के साथ संस्कृति और संस्कारों की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुभ्रा शुक्ला सुशीला दीक्षित द्वारा किया गया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका विजया मिश्रा और प्रीति मिश्रा ने निभाई। कार्यक्रम की प्रभारी रमा अग्निहोत्री एवं ज्योति तिवारी रहीं, जबकि आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने में वंदना पाण्डेय और रत्नमाला तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह : तीज महोत्सव के दौरान मेहंदी प्रतियोगिता में प्रीति मिश्रा, आल्ता में श्रद्धा मिश्रा, केश सज्जा में जाग्रति शुक्ला, आकर्षक पायजेब में रोशनी मिश्रा ने प्रथम स्थान हासिल किया। अनमैच वस्त्र प्रतियोगिता में कल्पना शुक्ला तथा हरे रंग की साड़ी प्रतियोगिता में वैशाली दीक्षित विजेता रहीं। नृत्य प्रतियोगिता में विभा मिश्रा ने प्रथम, रोली शुक्ला ने द्वितीय और नम्रता दीक्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कर्णप्रिय संगीत गायन में मुक्ता मिश्रा प्रथम, प्रिया तिवारी द्वितीय और समता शुक्ला तृतीय रहीं। भाग्यशाली प्रतियोगिता में मनोरमा बाजपेई ने प्रथम और सुनीता विजय तिवारी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। एकल नृत्य में दिव्या शुक्ला, श्रद्धा मिश्रा और श्वेता मिश्रा ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। सामूहिक नृत्य में सोनम, पूजा अवस्थी, शांता पाण्डेय और विद्या तिवारी ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। मनोरंजक हवा-हवाई प्रतियोगिता में अनुश्रुति तिवारी प्रथम, शशि तिवारी द्वितीय और आशा अवस्थी तृतीय रहीं।

सावन क्वीन बनीं विद्या तिवारी : महोत्सव का विशेष आकर्षण सावन क्वीन प्रतियोगिता रही। इसमें विद्या तिवारी ने प्रथम, सोनम दीक्षित ने द्वितीय और श्रुति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह और उमंग देखने को मिली। कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच मानव आश्रम के अध्यक्ष उमाकांत दीक्षित, महासचिव रविन्द्र मिश्रा, उपाध्यक्ष आलोक शुक्ला, सांस्कृतिक सचिव राकेश कुमार शुक्ला और भवन भंडारण सचिव विजय तिवारी ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर समाज की महिलाओं और युवतियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

तीज मिलन में सजा सुहाग का रंग, महिलाओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

भिलाई। इस्पात नगर महिला मंडल की ओर से तीज मिलन कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने नृत्य, लोकगीत, भजन और मनोरंजक खेलकूद जैसी विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पार्षद सुनंदा चंद्राकर, अरुणा जैन, डॉ संस्कृति वर्मा और तेजस्विनी सोनवानी मौजूद रहीं। तीज मिलन के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गीतों और नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ मनोरंजक खेलों में भी उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में तीज क्वीन का खिताब मोहनी शिंदे ने हासिल किया, नृत्य क्वीन का खिताब सरला साहू को मिला। कार्यक्रम में संध्या मंडलोई, सरोज दुबे, मंगल शुक्ला, मिथिलेश शर्मा, गीता मिश्रा, छाया वाघ, तरसेम कौर और सरला सिंह उपस्थित रही। आयोजन के अंत में महिला मंडल की ओर से सभी महिलाओं को सुहाग की निशानी के रूप में मांग टीका भेंट किया गया।

अग्रवाल समाज ने निकाली कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा में गूंजा हर-हर महादेव और बोल बम, पुष्प वर्षा कर जगह-जगह स्वागत

दुर्ग। सावन के पावन माह में आस्था, सेवा और समर्पण के संकल्प के साथ अग्रवाल समाज द्वारा कांवर यात्रा का आयोजन किया गया।अग्रवाल युवा मंडल के महासचिव रजत मुनचुन एवं कोषाध्यक्ष रजत अग्रवाल के नेतृत्व में सुबह 8 बजे शिवनाथ नदी से कांवर यात्रा प्रारंभ हुई। शिव भक्तों ने शिवनाथ नदी से जल भरकर कांवर में जल लेकर यात्रा शुरू की। यात्रा का पूरे मार्ग में आम नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया। कांवर यात्रा अग्रसेन भवन पहुंची जहां अग्रवाल समाज के अध्यक्ष ललित सक्सेरिया, प्रहलाद रुंगटा, महिला अध्यक्ष नीलू अग्रवाल, पंकज कृतिका एवं समाजजनों द्वारा कांवरियों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत करते हुए कहा कि सेवा ही धर्म है एवं आस्था ही भक्ति है। इसके पश्चात यात्रा गौ माता मंदिर, ओम परिसर पहुंची जहां भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर यात्रा का समापन किया गया। अग्रवाल समाज के कोषाध्यक्ष संजय गर्ग एवं दीपक बंसल ने बताया कि पूरे यात्रा मार्ग में बोल बम, हर-हर महादेव और चलो शिव के धाम, आस्था के साथ सेवा के नाम के जयघोष गूंजते रहे। जिससे शहर का वातावरण शिवमय हो गया। युवाओं की कावड़ फूलों से सजी हुई काफी आकर्षक लग रही थी। मनोज अग्रवाल ने बताया की आस्था एवं भक्ति के सावन पर्व में युवा मंडल द्वारा प्रतिवर्ष कावड़ यात्रा निकाली जाती है जिसमें बड़ी संख्या में युवा, बुजुर्ग और महिला श्रद्धा के साथ भाग लेते हैं। कांवड़ यात्रा में युवा मंडल के अनूप अग्रवाल, आशीष रुंगटा, मयंक अग्रवाल, चंकी अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अंशुल रुंगटा, रजत जिंदल, मेहुल अग्रवाल, हिमांशु गोयल, रौनक गर्ग, चिराग गोयल सहित सैकड़ों युवा शिव भक्तों ने भाग लिया।

पौध संरक्षण का लिया संकल्प

बोरसीभाठा में वन महोत्सव में रोपे गए 3500 पौधे

दुर्ग। हरित आवरण को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से मंगलवार को बोरसीभाठा दुर्ग में 'वन महोत्सव 2026' का आयोजन किया गया। वन विभाग दुर्ग वनमंडल द्वारा आयोजित इस महाअभियान के तहत 12 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में कुल 3,500 फलदार एवं छायादार पौधों का विधिवत रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर उपस्थित थे। जनप्रतिनिधियों ने स्वयं पौधरोपण कर आमजन से प्रकृति संवर्धन में सक्रिय सहभागी बनने और रोपे गए पौधों के सुरक्षा व देखभाल की अपील की। इस हरित अभियान को लेकर स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में जूनियर रेडक्रास, भारत स्काउट एवं गाइड, रोवर रेंजर्स के विद्यार्थियों, विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों तथा स्थानीय नागरिकों सहित लगभग 500 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर एक अनोखी पहल करते हुए भारत स्काउट एवं गाइड दुर्ग की ओर से पौधों की सुरक्षा के लिए रक्षासूत्र उपलब्ध कराए गए, जिन्हें स्कूली बच्चों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नवरोपित पौधों पर बांधकर उनके संरक्षण का अटूट संकल्प लिया गया। समारोह में मुख्य वन संरक्षक एम. मर्सिबेला, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम दुर्ग शहर प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार क्षमा यदु तथा प्रभारी वनमंडलाधिकारी जितेन्दर कुमार आदि मौजूद थे।

शहर में लंगर और तकरीर सहित कई आयोजनों की तैयारियां

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर रोशन हुई मस्जिदें, आज निकलेगा जुलूस-ए-मुहम्मदी

कार्नर न्यूज

भिलाई। पैगम्बर हजरत मुहम्मद के जन्मदिन जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर शहर में 26 अगस्त को सुबह से देर रात तक कई आयोजन होंगे। ईद मिलादुन्नबी को देखते हुए शहर की तमाम मस्जिदों, खानकाहों और मदरसों में रोशनी की गई है। यहां तय वक्त पर परचमे इस्लाम फहराया जाएगा। वहीं जुलूस-ए-मुहम्मदी भी हर साल की तरह इस साल भी दोपहर में निकलेगा। जुलूस के रास्ते में जगह-जगह सबील, लंगर और दूसरे इंतजाम अलग-अलग कमेटियों की तरफ से किए गए हैं। जुलूस के बाद शाम को जामा मस्जिद सेक्टर-6 में तकरीर होगी। जुलूस में शामिल होने वालों से अपील की गई है कि हजरत सल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरतों पर अमल करते हुए अच्छे अखलाक व पैगाम पेश करें साथ ही परचम झंडे लगाते वक्त भी दूसरों के जज्बात का खास ध्यान रखते हुए एहतियात बरतें।

निकलेगी जूलूस-ए-मुहम्मदी : शहर में जुलूस-ए-मुहम्मदी की शुरुआत बुधवार को दोपहर 2 बजे गौसिया मस्जिद केम्प-1 के पास से होगी। जुलूस यहां से लिंक रोड से होते हुआ केम्प 2, रजा जामा मस्जिद दोपहर 2.45 बजे तक पहुंचेगा। वहां से मदरसा रोड शीतला कॉम्प्लेक्स से नंदिनी रोड, फ्लाई ओवर ब्रिज पार कर शाम 4 बजे मुर्गा चौक पहुंचेगा। हाउसिंग बोर्ड की तरफ से आने वाली अंजुमन फौजी नगर, छावनी चौक, नन्दिनी रोड होते हुए पावर हाउस पहुंचेगी और खुर्सीपार जोन 1/2 व जोन-3 से आने वाली तमाम अन्जुमन पावर हाउस होते हुए 4 बजे तक इक्विपमेंट चौक पहुंचेगी। फिर जुलूस सेंट्रल एवेन्यू रोड (पंडित रविशंकर शुक्ल मार्ग) से सेक्टर-5 चौक होते हुए शाम 6 बजे सेक्टर-6 जामा मस्जिद के ईदगाह मैदान में पहुंचेगा और शाम 6.10 बजे परचम कुशाई होगी। जामा मस्जिद सेक्टर-6 ईदगाह मैदान में मगरिब की नमाज के बाद रहमते आलम कान्फ्रेंस रखी गई है। जिसमें हसन रजा कादरी कोलकाता की तकरीर होगी। निजामत गुलाम मोहिउद्दीन रजवी करेंगे। वहीं शायरे इस्लाम डॉ. जहीरुद्दीन रहबर सहित तमाम शायर हम्द ओ नात का तोहफा पेश करेंगे। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने बताया कि जुलूसे मुहम्मदी में डीजे व धमाल को एक राय से मना किया गया है।

सेक्टर-7 में सुबह निकलेगा जुलूस

हर साल की तरह इस साल भी सेक्टर-7 में निवासरत मुस्लिम समुदाय की ओर से जश्ने ईद मिलादुन्नबी के सिलसिले में जुलूसे मुहम्मदी निकाला जाएगा। यहां सुबह 8 बजे हाजी सैयद अनवर अली के घर स्ट्रीट-19 मदरसे से जुलूस ए मोहम्मदी निकलेगा जो मार्केट से होता हुआ सड़क नंबर 25, 26, 28 से सड़क नंबर 37 और वहां से सड़क-30 पंहुचेगा। यहां से सड़क 32 से होकर सड़क नंबर 29 से होते हुए सड़क 16 पहुंचेगा और वहां से एवेन्यू से होता हुआ सड़क नंबर 13 ,9 ,8,7 से होकर मदरसा पहुंचेगा उसके बाद वहां परचम कुशाई की रस्म अदा की जाएगी। इसी तरह ताज दरबार जीई रोड साक्षरता चौक के सामने सुबह 10 बजे परचमे इस्लाम फहराया जाएगा।

सिटी स्पोर्ट्स

शानदार सफलता के साथ लौटी थाई बॉक्सिंग खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत

रायपुर। 17वी राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप, नान्देड़ में 06 स्वर्ण और 01 काँस्य पदक जीतकर लौटने वाले रायपुर और दंतेवाड़ा की बालिका खिलाड़ियों का रायपुर रेल्वे स्टेशन में थाई बॉक्सिंग संघ के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों के परिजनों ने शानदार स्वागत किया। इस अवसर पर थाई बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष अनीस मेमन, महेंद्र साहू, एस के गुप्ता, दादू तांडी, प्रियंका सहित खिलाड़ियों के परिजन उपस्थित थे। थाई बॉक्सिंग पदक विजेताओं में रायपुर से मानसी तांडी - स्वर्ण पदक (अंडर 21,-45 केजी), पिंकी गुप्ता-स्वर्ण पदक (अंडर-17,-44 केजी), दंतेवाड़ा से सोमारी कवासी-स्वर्ण पदक (अंडर-14,-32 केजी), सुनीता काँस्य पदक (अंडर14,-44 केजी) लच्छी कोवासी - स्वर्ण पदक (अंडर 17, -40केजी), रामे कवासी-स्वर्ण पदक (अंडर 17,-52केजी) और राजकुमारी-स्वर्ण पदक (अंडर17, -56केजी) शामिल है। राष्ट्रीय निर्णायक परीक्षा में दुर्ग से विक्की भारती एवँ करण चेलक उत्तीर्ण हुए। अधिकारियों में अनीस मेमन (रायपुर), टिकेश्वरी साहू (एकलव्य खेल परिसर, जावंगा, गीदम, दंतेवाड़ा) और लक्ष्मी नारायण साहू (दुर्ग) शामिल हैं।

खेल मंत्री ने किया नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स छत्तीसगढ़ का विमोचन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं खेल युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने अपने कार्यालय नया रायपुर अटल नगर स्थित निवास पर मासिक हिंदी खेल पत्रिका नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स छत्तीसगढ़ के प्रवेशाक (पहले अंक) का विमोचन किया। इस मौके पर पत्रिका के प्रधान संपादक इंद्रजीत मौर्य, कार्यकारी संपादक प्रियेश चौबे छत्तीसगढ़, खेल पत्रिका से जुड़े वरिष्ठ खेल समीक्षा हरीश हर्ष, वरिष्ठ पत्रकार रत्नागर त्रिपाठी , निज सचिव खेल मंत्री दिलीप कुमार ठाकुर, देव सिंह साहू,वरिष्ठ खेल समीक्षक हरेंद्र नागेश साहू सहित अन्य नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स कार्यालय के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस मौके पर खेल मंत्री अरुण साव ने खेल पत्रिका नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स का अवलोकन करते हुए उसमें प्रकाशित खिलाड़ियों की रिपोर्ट की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय कॉम्बैट खेल मे छत्तीसगढ़ को मिले 50 से ज्यादा मेडल

रायपुर। भारतीय कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में तीसरी राष्ट्रीय कांग्रेस मल युद्ध का आयोजन मध्य प्रदेश इंदौर के चमेली देवी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में किया गया। जिसमें देश के लगभग 16 राज्यों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों से लगभग 40 खिलाड़ियों ने हिस्सेदारी किया. जिसमें खरसिया, रायगढ़, सक्ति, दुर्ग, पेंड्रा, बिलासपुर, गरियाबंद, रायपुर जिले के खिलाड़ी शामिल थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर हरियाणा एवं द्वितीय स्थान पर उपविजेता के रूप में छत्तीसगढ़ की टीम रही। राज्य के टीम में ऑफिशियल के रूप में चिंतामणि चक्रधारी, उमेश साहू, रियाज खान, कमलेश यादव, देवेंद्र ढीमर, सुगंधी राठौर, देवमणि साहू आदि शामिल रहे। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने गी, नोगी एवं फ्री स्टाइल मे डबल इवेंट खेलते हुए 22 गोल्ड मेडल 18 सिल्वर एवं 16 ब्रॉन्ज़ मेडल प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों में ध्रुव चक्रधारी, रूपम राठौर, उदित साव, याज्ञवल्क्य सिंह राठौर, पुष्पराज डनसेना, दुष्यंत पटैल, आदित्य राज, प्रशांत स्वादु, प्रणय केरकेट्टा, दक्ष कुमार, विवेक पटेल, तिसना जयसवाल, अक्षत सिदार, वंश राठौर, कामेश्वर सिदार, निहाल जयसवाल, लक्ष्या कौशिक, देवा साहू, सी.ऋषभ, यामिनी धीवर, सृष्टि, सायना मेहरा, सौम्या पुरसेठ, हेमा वारेन, अंजू सिदार, जागृति खूंटे, आर्या राठौर, अंशिका राठौर, रुपाली, भूमिका यादव, रिद्धि यादव, पारुल, पूर्वी सोनवानी, सौम्या पड़वार, गरिमा आदि शामिल थी।

सीबीएसई ज़ोनल चेस प्रतियोगिता में मौका मिला आदर्श स्कूल की टीम को

रायपुर। सीबीएसई ज़ोनल लेवल चेस प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 29 अगस्त तक भुवनेश्वर के केटी ग्लोबल स्कूल में किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आदर्श इंटरनेशनल स्कूल नवा रायपुर की शतरंज टीम भुवनेश्वर के लिए रवाना हो गई है।

शरीर की बहुत सी दिक्कतें होती है पोटेशियम की कमी से

मांसपेशियों में रहती है ऐंठन और शरीर में कमजोरी तो सबसे पहले जांच कराइये पोटैशियम की कमी की

मांसपेशियों में बार-बार ऐंठन, कमजोरी और थकान कई कारणों से हो सकती है, जिनमें पोटैशियम की कमी भी शामिल है। हालांकि केवल लक्षणों के आधार पर कमी की पुष्टि नहीं की जा सकती। बिना डॉक्टर की सलाह के पोटैशियम सप्लीमेंट लेना नुकसानदायक हो सकता है।

क्या आपके भी पैर की मांसपेशियों में अक्सर तेज क्रैंप होता है, सीढ़ियां चढ़ते हुए पैरों में अजीब सी कमजोरी महसूस होती है या फिर थोड़ा सा काम करने के बाद शरीर जवाब देने लगता है? इन परेशानियों को हम अक्सर थकान, कमजोरी या ज्यादा काम का नतीजा समझकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन बार-बार ऐसा होना शरीर में कुछ जरूरी खनिजों की कमी की ओर संकेत भी हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पोटैशियम की कमी के कारण मांसपेशियों में ऐंठन और थकान जैसी दिक्कतें देखी जाती हैं। पोटैशियम हमारे शरीर के लिए एक जरूरी मिनरल है। यह नसों से संदेश पहुंचाने, मांसपेशियों को सही तरीके से सिकुड़ने और शरीर में तरल पदार्थ का संतुलन बनाए रखने जैसे जरूरी काम करता है। पोटैशियम बहुत कम या बहुत ज्यादा होना दोनों ही शरीर के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। तो हर बार मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन को शरीर की कमजोरी मानने की भूल नहीं करनी चाहिए।

पोटैशियम शरीर में करता क्या है?

पोटैशियम शरीर के अंदर कई महत्वपूर्ण काम करता है। यह नसों के सामान्य कामकाज और मांसपेशियों के संकुचन में मदद करता है। दिल की धड़कन को सामान्य बनाए रखने में भी शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन में ये जरूरी होती है।

पोटैशियम की मात्रा शरीर में एक निश्चित सीमा के भीतर रहना जरूरी है। बहुत कम या बहुत अधिक दोनों स्थितियां समस्या पैदा कर सकती हैं। डॉक्टर बताते हैं, पौष्टिक आहार के सेवन से आसानी से उसकी पूर्ति हो सकती है। आइए जानते हैं कि कहीं आपके शरीर में इसकी कमी तो नहीं है?

मांसपेशियों में ऐंठन हो सकता है संकेत

पोटैशियम कम होने पर कुछ लोगों में मांसपेशियों की कमजोरी या ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि केवल ऐंठन देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि पोटैशियम ही कम है। लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहना, ज्यादा व्यायाम, पानी की कमी और दूसरे इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन भी ऐंठन का कारण बन सकते हैं। अगर ऐंठन बार-बार हो रही है, बहुत दर्दनाक है या इसके साथ कमजोरी भी महसूस होती है तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है। जरूरत पड़ने पर रक्त जांच से पोटैशियम और दूसरे इलेक्ट्रोलाइट्स की स्थिति देखी जा सकती है।

लगातार कमजोरी और थकान को नजरअंदाज न करें

पोटैशियम की ज्यादा कमी होने पर मांसपेशियों की कमजोरी महसूस हो सकती है। आपको सामान्य काम करने में भी पहले की तुलना में ज्यादा मेहनत लग सकती है। थकान और कमजोरी के पीछे भी बहुत सारे कारण हो सकते हैं। खून या नींद की कमी, तनाव, पोषक तत्वों की की कमी

के कारण भी कमजोरी और थकान होती रहती है। पर अगर समस्या लगातार बनी हुई है या बढ़ रही है तो डॉक्टर से मिलकर कारण की जांच कराना जरूरी हो जाता है।

बहुत ज्यादा पसीना आने पर भी ध्यान दें

गर्मी में लंबे समय तक बाहर रहने या भारी व्यायाम करने से शरीर में तरल और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन प्रभावित हो सकता है।सामान्य परिस्थितियों में संतुलित भोजन और पर्याप्त तरल से शरीर अपनी जरूरत पूरी कर सकता है। लंबे समय तक अत्यधिक पसीना, कमजोरी, चक्कर या मांसपेशियों में ऐंठन होने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। पोटैशियम की कमी का पता लगाने के लिए डॉक्टर पोटैशियम की जांच की सलाह दे सकते हैं। यदि पोटैशियम कम आता है तो डॉक्टर आहार में सुधार और कुछ सप्लीमेंट्स लेने की सलाह दे सकते हैं। केले से इसकी आसानी से पूर्ति की जा सकती है। हालांकि खुद से पोटैशियम की गोलियां लेने की गलती न करें।

शाम को मुख्य दरवाजा बंद रखने की न करें गलती, जानें क्या है वास्तु के सही नियम

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को बेहद महत्वपूर्ण स्थान माना गया है। यह केवल घर में प्रवेश और बाहर निकलने का माध्यम नहीं है, बल्कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यहीं से सकारात्मक ऊर्जा भी घर के भीतर आती है। खासतौर पर सूर्यास्त के आसपास का समय शुभ माना जाता है। इसलिए इस दौरान मुख्य दरवाजे से जुड़े कुछ नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि शाम के समय मुख्य द्वार को लंबे वक्त तक बंद रखने से घर में आने वाली शुभ ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित हो सकता है।

शाम को मुख्य दरवाजा खुला रखना क्यों माना जाता है शुभ?

सनातन परंपरा में संध्याकाल को पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों के लिए विशेष माना गया है। ऐसी मान्यता है कि शाम के समय मां लक्ष्मी का घर में आगमन होता है। इसी वजह से इस समय घर के प्रवेश द्वार को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने के साथ कुछ देर खुला रखने की परंपरा भी देखने को मिलती है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, सूर्यास्त के समय मुख्य द्वार पूरी तरह बंद रखने से सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में रुकावट आ सकती है। वहीं लंबे समय तक दरवाजा बंद रहने को घर में नकारात्मक वातावरण और आर्थिक परेशानियों से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि, ये धार्मिक और वास्तु संबंधी मान्यताएं हैं।

सकारात्मक माहौल के लिए क्या करें?

सूर्यास्त के समय वातावरण में बदलाव होने की बात वास्तु में कही गई है। ऐसे में घर की खिड़कियां और मुख्य द्वार कुछ समय के लिए खोलने की सलाह

दी जाती है, ताकि घर में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवेश हो सके। इससे घर का वातावरण हल्का, शांत और सकारात्मक बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

शाम के समय मुख्य दरवाजे के पास दीपक जलाने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। धार्मिक मान्यता है कि दीपक की रोशनी घर से अंधकार और नकारात्मकता दूर करती है तथा मां लक्ष्मी के स्वागत का प्रतीक मानी जाती है। आप चाहें तो मुख्य द्वार के आसपास साफ पानी या गंगाजल का छिड़काव भी कर सकते हैं।

नमकीन को महीनों तक रखिए कुरकुरा मानसून में अपनाएं आसान स्टोरेज टिप्स

मानसून में नमी के कारण नमकीन जल्दी सील जाती है। इसे एयरटाइट कंटेनर में रखें, पूरी तरह ठंडा होने के बाद ही स्टोर करें, बार-बार डिब्बा खोलने से बचें और सूखी जगह पर रखें। सही स्टोरेज से नमकीन लंबे समय तक कुरकुरी और स्वादिष्ट बनी रह सकती है। बारिश का मौसम अपने साथ ठंडक और सुहाना माहौल तो लाता है, लेकिन रसोई में रखी कई खाद्य चीज़ों के लिए चुनौती भी बन जाता है। खासकर नमकीन, सेव, चिवड़ा, मठरी, भुजिया और चिप्स जैसी कुरकुरी चीजें वातावरण में मौजूद नमी को जल्दी सोख लेती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि कुछ ही दिनों में इनका स्वाद और कुरकुरापन कम होने लगता है। कई बार लोग अच्छी गुणवत्ता की नमकीन खरीदते हैं या घर पर बनाते हैं, लेकिन सही तरीके से स्टोर न करने के कारण वह जल्दी सील जाती है। कुछ आसान स्टोरेज टिप्स अपनाकर आप मानसून में भी नमकीन को लंबे समय तक ताजा और कुरकुरी बनाए रख सकते हैं। इसके लिए महंगे उपकरणों की जरूरत नहीं होती, बल्कि सही कंटेनर, सूखी जगह और थोड़ी-सी सावधानी ही काफी होती है। साथ ही, स्टोर करने से पहले यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि नमकीन में अतिरिक्त नमी न हो। अगर आप भी हर बारिश में सीली हुई नमकीन से परेशान रहते हैं, तो ये आसान और असरदार टिप्स आपके बहुत काम आएंगे। नमकीन को खुली प्लेट, पॉलीथिन या ढीले ढक्कन वाले डिब्बे में रखने से उसमें नमी जल्दी पहुंच जाती है। इसे हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।कांच या फूड-ग्रेड प्लास्टिक के कंटेनर नमी को बाहर रखने में मदद करते हैं ।

पांच गोल्ड के साथ विशाल चमके और संध्या ने भी बाजी मारी

रायपुर। ऑल इंडिया पिकलबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में स्वर्गीय अर्जुन सिंह शेखावत स्मृति छठवीं छत्तीसगढ़ राज्य पिकलबॉल चैंपियनशिप 21 से 23 अगस्त तक आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ स्टेट पिक्लबॉल एसोसिएशन द्वारा टॉप कोर्ट, रायपुर में हुई प्रतियोगिता का समापन विजेताओं मेडल प्रदान कर सम्मानित कर किया गया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता मे महिलाओ एवं पुरुषो, बालक, बालिकाओं के 50 इवेंट का आयोजन किया गया जिसमे प्रदेश के बिलासपुर, रायगढ़ दुर्ग भिलाई बेमेतरा राजनांदगाव एवं रायपुर से लगभग 150 से ज्यादा 10 वर्ष से 50 वर्ष तक के महिला पुरुष खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता मे चयनित खिलाडी 2 से 5 अक्टूबर तक एर्नाकुलम केरल मे ऑल इंडिया पिकलबाल एसोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पिकलबाल चैपियनशिप मे भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजन मे लुकेश नेताम टूर्नामेंट को आर्डिनटर अजय तांडी, अजय नायक, मोनेश, अमन,पियूष सिंह,प्रेमप्रकाश, रोहन मंडल,उर्वशी बंजारे, टिकेश्वरी, त्रिवेणी सोनकर , चंचल, दिनेश्वरी, पूर्णिमा का निर्णायक के रुप मे सहयोग रहा। वही कॉक्रिट टीएमटी के डायरेक्टर अमित जिंदल, छत्तीसगढ़ पिकलबाल के कार्यकारी अध्यक्ष सुमित कटारिया, टॉपकोर्ट के संचालक द्वय दीपिन मेहता एव गगन जुनेजा,शुभम चौधरी रैकेट क्लब के संचालक शादानी चावला का सहयोग रहा।

छत्तीसगढ़ पिकलबाल के सचिव रुपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि अंतिम दिन देर रात तक चले मेचेस के अंतिम परिणाम जारी किए गए। इनमें अंडर10 बालक एकल में विजेता रयान कपूर, उपविजेता अव्यय जिंदल,अंडर10 बालिक एकल विजेता आद्या देसाई, उपविजेता जेनी बचान,अंडर10 बालक युगल विजेता आदिव/रयान, उपविजेता अव्यय/अभिनंदन, अंडर12 वर्ग अंडर12 बालक एकल विजेता हृदान गोयनका, उपविजेता अथर्व पांडे, अंडर12

बालिका एकल विजेता महवीन अंसारी उपविजेता वैशालिका ड्रोलिया,अंडर12 बालक युगल विजेता हृदान गोयनका/आर्यवीर, उपविजेता अथर्व/अव्यय,अंडर12 बालिका युगल विजेता महवीन/भद्राकर्णिका, उपविजेता आध्या/जेनी,अंडर14 वर्ग अंडर14 इंटरमीडिएट बालक एकल, विजेता सिद्धार्थ, उपविजेता आर्यन माणिक,अंडर14 इंटरमीडिएट बालिका एकल विजेता चाहना मंजर, उपविजेता शिल्पा साव,अंडर14 इंटरमीडिएट बालक युगल विजेता कृष/सिद्धार्थ,उपविजेता आर्यन/शुभम,अंडर14 प्रो बालक एकल विजेता आरिश आगा चौबे, उपविजेता हृदान गोयनका,अंडर14 प्रो बालिका एकल विजेता संध्या पटेल, उपविजेता भद्राकर्णिका,अंडर14 प्रो बालक युगल विजेता अथर्व पांडे/हृदान गोयनका,उपविजेताअविनाश/आर्यवीर सिंह राजपूत,अंडर14 प्रो बालिका युगल विजेताभद्राकर्णिका/चाहना, उपविजेतासंध्या/श्रेया, अंडर16 वर्ग,अंडर16 प्रो बालक एकल, विजेता आरिश आगा चौबे, उपविजेता अयान सरवत, अंडर16 प्रो बालिका युगल, विजेता संध्या पटेल उपविजेता किनिशा,अंडर16 प्रो बालक युगल विजेता विहार / देवाशिष, उपविजेता हर्ष / हृदान,अंडर16 प्रो बालिका युगल विजेता संध्या / श्रेया,उपविजेता महवीन / महविश, अंडर19 इंटरमीडिएट बालक एकल, विजेताचिराग कुकरेजा, उपविजेता शुभम हरपाल,अंडर19 इंटरमीडिएट गर्ल्स सिंगल्स विजेता यशिता, उपविजेता संस्कृति,अंडर19 इंटरमीडिएट बालक युगल विजेता मेहुल/रेगांश,उपविजेता संयम/आयुष्मान, अंडर19 इंटरमीडिएट गर्ल्स डबल्स विजेता निधि/श्रेया, उपविजेता संस्कृति / यशिता अंडर19 प्रो बॉयज सिंगल्स विजेता लक्ष्या अग्रवाल, उपविजेता विहार शरण भाटिया,अंडर19 प्रो गर्ल्स सिंगल्स विजेता पूर्णिमा फनिकार,उपविजेताचंचल सारथी, अंडर19 प्रो बॉयज डबल्स विजेता गिरिश/चिराग, उपविजेता लक्ष्या/आरव,ओपन वर्ग,ओपन इंटरमीडिएट पुरुष सिंगल्स विजेता केशव शर्मा,उपविजेता अपूर्व अहलूवालिया, ओपन इंटरमीडिएट महिला सिंगल्स, विजेता संध्या पटेल, उपविजेता निशिता जादवानी,ओपन एडवांस पुरुष सिंगल्स, विजेता जितेश निषाद, उपविजेता अयान सरवत,ओपन इंटरमीडिएट पुरुष युगल, विजेता आदित्य/ माधव, उपविजेता शौर्य / चिराग,ओपन इंटरमीडिएट महिला युगल विजेता संध्या / निशिता, उपविजेता अविवा / श्रद्धा,ओपन एडवांस पुरुष डबल्स, विजेता रचित/ईशान, उपविजेता पवन/ गिरिश,ओपन एडवांस मिक्स्ड डबल्स, विजेता हर्षित / पूर्णिमा, उपविजेता हेनरी / चंचल,ओपन प्रो पुरुष सिंगल्स,विजेता विशाल निषाद, उपविजेता खिरमन टांडी,ओपन प्रो महिला सिंगल्स, विजेता जितेश्वरी साहू, उपविजेता दिनेश्वरी टांडी,ओपन पुरुष प्रो डबल्स विजेता विशाल / अजय टांडी,उपविजेता मोनेश / प्रेम,ओपन प्रो महिला डबल्स विजेता दिनेश्वरी / उर्वशी, उपविजेता चंचल / पूर्णिमा,ओपन प्रो मिक्स्ड डबल्स,विजेता विशाल / जितेश्वरी,उपविजेता खिरमन टांडी / दिनेश्वरी,स्प्लिट एज डबल्स,विजेता विशाल / दर्शन उपविजेता मोनेश / राधेश्याम टांडी,30+ पुरुष सिंगल्स, विजेता गगन जुनेजा,उपविजेता अजय टांडी,30+ महिला सिंगल्स विजेता मुक्ता मेरसा,उपविजेता फातमा सरवत,30+ पुरुष डबल्स, विजेता शुभम चौधरी / दिपिन,उपविजेता मायंक / अनूप,30+ महिला डबल्स विजेता शिल्पी मटरेजा / रीनाअग्रवाल उपविजेता फातमा / आनंदी,30+ मिक्स्ड डबल्स विजेता दिपिन / संजना, उपविजेता अजय / आनंदी,40+ पुरुष सिंगल्स विजेता दिपिन मेहता, उपविजेता रुबिन मेहता,40+ महिला सिंगल्स विजेता फातमा सरवत, उपविजेता आनंदी लोबो,40+ पुरुष डबल्स,विजेता विनोद / मयंक (रायगढ़), उपविजेता विनोद / अतुल(रायगढ़),40+ महिला डबल्स विजेता शिल्पी / रीना, उपविजेता आनंदी / फातमा, 40+ मिक्स्ड डबल्स, विजेता मायंक अग्रवाल / भवना चौहान, उपविजेता हेनरी / शिल्पी,50+ पुरुष सिंगल्स विजेता दर्शन आरोन, उपविजेता आशीष केडिया,50+ पुरुष डबल्स, विजेता नारायण / आशीष उपविजेता दर्शन / प्रभात शामिल हैं।

कार्नर न्यूज

दुबलेपन की फिक्र छोड़ बढ़ाइए अपना वजन

वजन बढ़ाना भी होता है चुनौतीपूर्ण, दुबलेपन को मात देने के लिए जरूरी है आहार में बदलाव और कुछ आसान से उपाय

कई लोगों का वजन स्वाभाविक रूप से कम होता है क्योंकि उनके शरीर की बनावट ऐसी होती है या उनका पाचन बहुत तेज होता है। कम वजन भी खराब पोषण या किसी बीमारी का संकेत हो सकता है।

दुबलेपन का एक कारण आनुवंशिक भी होता है। अगर कोई दुबला-पतला है या उसका वजन कम है तो उसके माता-पिता, या फिर परिवार का कोई सदस्य भी ऐसा जरूर होता है, उन्हीं में से ये अगली पीढ़ी तक चलता रहता है।

ऐसे लोग हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं। क्योंकि इसका उनकी पर्सनालिटी और उनके लुक पर नकारात्मक असर पड़ता है। फिर उनके पास एक ही चारा बचता है, वजन बढ़ाना। इसके अलावा, कई लोग जो क्लिनिकल रूप से कम वजन के शिकार नहीं होते, वे भी मांसपेशियों को बढ़ाने और वजन बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहे होते हैं। वजन बढ़ाने का सुरक्षित तरीका अपनाना बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें अधिक पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन, अच्छी नींद लेना और तनाव को कम करना शामिल हो सकता है।

वजन कैसे बढ़ाएं घरेलू उपाय

चाहे आपके वजन बढ़ाने के कारण जो भी हों, यहां कुछ तरीके दिए गए हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं:

अधिक मात्रा में कैलोरी का सेवन करें

वजन बढ़ाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है कि आप अधिक कैलोरी का सेवन करें। इसका मतलब है कि आपको अपनी शरीर की जरूरत से ज्यादा कैलोरी खानी होगी। आप अपने कैलोरी की ज़रूरतें जानने के लिए कैलोरी कैलकुलेटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप धीरे-धीरे वजन बढ़ाना चाहते हैं, तो रोजाना 300-500 कैलोरी ज्यादा खाने का लक्ष्य रखें। अगर तेजी से वजन बढ़ाना चाहते हैं, तो 700-1,000 कैलोरी ज्यादा खाने का प्रयास करें। ध्यान रखें कि कैलोरी कैलकुलेटर केवल अनुमान देते हैं। आपकी ज़रूरतें प्रतिदिन कई सौ कैलोरी भिन्न हो सकती हैं। आपको हमेशा के लिए कैलोरी गिनने की जरूरत नहीं है, लेकिन शुरुआत में कुछ दिनों या हफ्तों के लिए इसे करना फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए कई उपयोगी टूल्स भी उपलब्ध हैं।

अधिक प्रोटीन खाएं

उचित विकास और सामान्य स्वास्थ्य के लिए हाई क्वालिटी वाले प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी है। एक 2020 के अध्ययन में बताया गया है कि प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने से मांसपेशियों की वृद्धि हो सकती है।

वयस्कों को रोजाना 50 ग्राम प्रोटीन खाने की सलाह दी जाती है। हालांकि, यह हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है और उम्र, लिंग, और

स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों में मांस,मछली,अंडे, डेयरी उत्पाद, दालें, नट्स शामिल हैं

यदि आपको अपने आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं मिल रहा है, तो प्रोटीन सप्लीमेंट्स जैसे वे प्रोटीन भी मदद कर सकते हैं। हालांकि, अधिक प्रोटीन से आपकी भूख कम हो सकती है, जिससे कैलोरी प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। किसी डॉक्टर से सलाह लें कि क्या प्रोटीन बढ़ाना आपके वजन बढ़ाने के मकसद को सुरक्षित रूप से पूरा करने में मदद करेगा।

कार्बोहाइड्रेट्स का सेवन बढ़ाएं

कार्बोहाइड्रेट्स अकेले वजन बढ़ाने में मदद नहीं करेंगे, लेकिन वे अधिक कैलोरी प्राप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकते हैं। स्वस्थ कार्बोहाइड्रेट्स वाले खाद्य पदार्थों में- ओट्स,क्विनोआ, फल, जैसे संतरे, केले, और ब्लूबेरी, स्वीट पोटैटो, बुकीव्हीट शामिल हैं।

कार्बोहाइड्रेट्स एक संतुलित आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आपको प्रतिदिन कितनी मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स का सेवन करना चाहिए, यह आपकी उम्र, लिंग, और स्वास्थ्य पर निर्भर करता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'गॉड ऑफ वॉर' टीवी सीरीज में क्रेटोस बनेंगे डेव बटिस्टा

हॉलीवुड एक्टर डेव बटिस्टा की एंट्री पॉपुलर वीडियो गेम फ्रें चा इ जी 'गॉड ऑफ वॉर' की लाइव-एक्शन टीवी सीरीज में हो गई है। वह एक्टर रयान हर्स्ट को रिप्लेस कर रहे हैं। जानिए क्या है पूरा मामला।

अमेजन प्राइम वीडियो और सोनी की इस सीरीज में डेव बटिस्टा को क्रेटोस के रोल के लिए आधिकारिक तौर पर फाइनल कर लिया गया है। डेव बटिस्टा को 'ड्यून' और 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी' जैसी फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। रयान हर्स्ट को जनवरी 2026 में क्रेटोस के तौर पर अनाउंस किया गया था। लेकिन जून में शूटिंग के दौरान उनके बाइसेप में गंभीर चोट लग गई। उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और उनकी वजह से प्रोडक्शन को दोबारा शुरू करने में काफी देरी होने वाली थी।

ऐसे में अमेजन और सोनी ने क्रेटोस के रोल के लिए नए एक्टर की तलाश शुरू की। कुछ समय पहले खबर आई थी कि डेव बटिस्टा इस किरदार को निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अब उन्हें आधिकारिक तौर पर इस रोल के लिए चुन लिया गया है। रयान हर्स्ट के साथ शूट किए गए सभी सीन्स को दोबारा शूट किया जाएगा। वहीं, डेव बॉतिस्ता के जुड़ने के बाद माना जा रहा है कि सीरीज की शूटिंग आने वाले हफ्तों में फिर से शुरू हो सकती है। क्रेटोस अपने बेहद मजबूत और मस्कुलर शरीर के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में इस किरदार के लिए डेव बटिस्टा को काफी फिट माना जा रहा है। वह खुद भी लंबे समय से शानदार फिजिकल शेप में रहे हैं और एक्शन रोल्स का अच्छा अनुभव रखते हैं।

टॉलीवुड

रजनीकांत की जेलर 2 के गाने पर भड़के यूजर्स,फिल्म मेकर्स को दी बड़ी सलाह

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई है. हाल ही में फिल्म का एक प्र मो श न ल वीडियो जारी किया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि फिल्म के गाने में मलयालम उच्चारण सही तरीके से नहीं किया गया है. इस पर यूजर्स ने मेकर्स को सलाह दी है.

साउथ सिनेमा के दिग्गज के एक्टर रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई है. फिल्म का हाल ही में एक प्रमोशनल गाना रिलीज किया गया था, जिसके बाद फिल्म के मेकर्स विवाद में फंस गए हैं. इस गाने के भाषा और उच्चारण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. दरअसल , मंगलवार को फिल्म का 'अला बोलेलो' नाम का एक 32 सेकंड का टीजर जारी किया गया है. हालांकि, अब मलयालम भाषा बोलने वाले लोगों के एक वर्ग का दावा है कि गाने का उच्चारण सही तरीके से नहीं किया गया है. इस बात को लेकर मलयालम भाषा बोलने वाले लोगों ने आपत्ति जताई है.रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' के लिए प्रमोशनल वीडियो का गाना 'अला बोलेलो' में आपको शमना कासिम केरल की पारंपरिक 'कासावु' पोशाक में डांस करती हुई नजर आती है. इस गाने में सुपरस्टार रजनीकांत की एक झलक देखने को भी मिलती है. मूवी की इस गाने को अनिरुद्ध रविचंदर के द्वारा कंपोज किया गया है. वहीं फिल्म का यह गाना अरुणराजा कामराज ने लिखा है. इस गाने में आपको मलयालम और तमिल भाषा को मिलाकर लिखा गया है. 'जेलर 2' के इस गाने को निरंजना रमन, दीप्ति सुरेश और अपर्णा हरिकुमार ने अपनी आवाज दी है. हालांकि, जब 'जेलर 2' का गाना रिलीज किया गया, जिसके तुरंत बाद ही यूजर्स ने इस गाने को लेकर काफी निराशा फैल गई. दरअसल, यूजर्स ने फिल्म के गाने के उच्चारण को गलत बताया है।

भोजपुरी

नए लुक से मोनालिसा ने ढाया कहर, टैटू ने खींचा फैंस का ध्यान

मोनालिसा ने अपनी नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसमें उन्होंने अलग तरह की ड्रेस में कई शानदार पोज दिए हैं। भोजपुरी स्टार मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरों से अपने फैंस को हैरान कर देती हैं। आज अभिनेत्री ने एक नए लुक में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर उनके फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री मोनालिसा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह वेस्टर्न शॉर्ट ड्रेस पहना है। उनके सीने पर बना टैटू फैंस का ध्यान खींच रहा है। भोजपुरी स्टार ने हल्की ज्वेलरी और खुले बालों से अपने लुक को पूरा किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा 'अब तस्वीरें शेयर की हैं। ये बाकी रह गई थीं। मुझे लाइटें बहुत पसंद आईं।' आपको बता दें कि हाल ही में मोनालिसा एक प्रोग्राम में पहुंची। उन्होंने खास तौर से ये ड्रेस उस प्रोग्राम के लिए पहनी थी। 43 साल की मोनालिसा अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह फिट रहने के लिए नियमित एक्सरसाइज करती हैं। मोनालिसा की तस्वीरों पर नेटीजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उन्हें बहुत खूबसूरत बता रहे हैं। इन दिनों अभिनेत्री मिनी टीवी सीरीज 'लव टू हेट यू चैप्टर 2' में नजर आ रही हैं। बता दें कि यह सीरीज 04 अगस्त से ऑलराइट टीवी एप पर स्ट्रीम हो रही है।

कॉउचर ट्रेंड्स इंडियन फ़ैशन

लाइफ स्टाइल

हिन्दुस्तानी फैशन की ट्रेंड रिपोर्ट आ गई है, जो इस सीज़न के सबसे खास रनवे ट्रेंड्स को दिखाती है। ड्रामैटिक घूंघट और सिर के एक्सेसरीज़ से लेकर स्कल्पटेड बॉडीस और क्लासिक रेड रंग तक, तरुण तहिलियानी, रिमज़िम दादू, जेजे वलाया, रोहित बल और अर्पिता मेहता जैसे डिज़ाइनर्स ने रनवे को एक नया रूप दिया है।

त्योहारों में ऑयली स्किन को ऐसे रखें चमकदार

मेकअप करने से पहले त्वचा को अच्छी तरह तैयार करना भी जरूरी है। अगर आप त्योहारों में बिना चिपचिपेपन के हेल्दी ग्लो चाहती हैं, तो कुछ आसान स्किनकेयर टिप्स आपकी काफी मदद कर सकते हैं। त्योहारों का मौसम आते ही हर कोई खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन पाना चाहता है। लेकिन ऑयली स्किन वालों के लिए फेस्टिव सीजन में त्वचा की देखभाल थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ज्यादा तेल, पसीना, धूल-मिट्टी और लगातार मेकअप करने से चेहरे पर चिपचिपापन, बंद पोर्स, पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में त्योहार से पहले और त्योहार के दौरान सही स्किनकेयर रूटीन अपनाना जरूरी है। ऑयली स्किन को भी बिना ज्यादा प्रोडक्ट्स के फ्रेश और ग्लोइंग रखा जा सकता है। इसके लिए चेहरे को जरूरत से ज्यादा धोने के बजाय माइल्ड क्लींजर, हल्का मॉइस्चराइजर और ऑयली स्किन के लिए उपयुक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। मेकअप करने से पहले त्वचा को अच्छी तरह तैयार करना भी जरूरी है। अगर आप त्योहारों में बिना चिपचिपेपन के हेल्दी ग्लो चाहती हैं, तो कुछ आसान

स्किनकेयर टिप्स आपकी काफी मदद कर सकते हैं।

माइल्ड क्लींजर से चेहरा साफ करें

सुबह और रात चेहरे को जेंटल क्लींजर से साफ करें। बहुत ज्यादा चेहरा धोने से त्वचा में जलन या ड्राईनेस हो सकती है।

हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं

ऑयली स्किन को भी मॉइस्चराइजर की जरूरत होती है। हल्का, नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉइस्चराइजर चुनना बेहतर विकल्प हो सकता है।

सनस्क्रीन न भूलें

दिन में बाहर निकलने पर ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाएं। ऑयली स्किन के लिए हल्का या जेल-बेस्ड फॉर्मूला आरामदायक लग सकता है।

मेकअप से पहले स्किन प्रेप करें

फेस्टिव मेकअप से पहले चेहरे को साफ करके मॉइस्चराइज करें। जरूरत हो तो मेकअप के लिए उपयुक्त प्राइमर का इस्तेमाल करें।

बहुत ज्यादा लेयरिंग से बचें

एक साथ कई सीरम, क्रीम और एक्टिव प्रोडक्ट लगाने से बचें। त्योहार से ठीक पहले नया या तेज एक्टिव वाला प्रोडक्ट ट्राई करना भी सही नहीं है।

मेकअप अच्छी तरह हटाएं

त्योहार की रात कितनी भी थकान हो, मेकअप हटाकर ही सोएं। इसके बाद चेहरे को साफ करके अपनी सामान्य स्किनकेयर रूटीन अपनाएं।

एक ही आउटफिट से पाईए कई स्टाइलिश लुक, खिलेगा सफेद कुर्ता

सफेद कुर्ता भारतीय वॉर्डरोब का सबसे बहुउपयोगी परिधान है। इसे पलाज़ो, जींस, शरारा, ऑक्सिडाइज्ड ज्वेलरी, रंगीन दुपट्टे, बेल्ट, जैकेट और स्टाइलिश फुटवियर के साथ अलग-अलग तरीकों से पहनकर आप कैजुअल, ऑफिस, फेस्टिव और पार्टी लुक आसानी से पा सकती हैं। सफेद कुर्ता एक ऐसा क्लासिक आउटफिट है जो कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता। इसकी सादगी, खूबसूरती और बहुउपयोगी डिज़ाइन इसे हर उम्र की महिलाओं की पहली पसंद बनाते हैं। चाहे ऑफिस जाना हो, कॉलेज, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, पूजा, फैमिली फंक्शन या दोस्तों के साथ आउटिंग, एक सफेद कुर्ता हर अवसर के लिए आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

आज के फैशन ट्रेंड में सफेद कुर्ता केवल पारंपरिक पहनावे तक सीमित नहीं है। सही बॉटम वियर, दुपट्टा, ज्वेलरी और फुटवियर के साथ इसे इंडो-वेस्टर्न, फेस्टिव, स्मार्ट कैजुअल या एलीगेंट लुक में बदला जा सकता है। यही वजह है कि फैशन प्रेमियों और स्टाइल एक्सपर्ट्स की वॉर्डरोब में एक सफेद कुर्ता हमेशा मौजूद रहता है। अगर आप भी एक ही कुर्ते से हर बार नया और आकर्षक लुक पाना चाहती हैं, तो यहां बताए गए आसान स्टाइलिंग आइडियाज़ आपकी मदद करेंगे। इन टिप्स की मदद से आप कम खर्च में अपनी वॉर्डरोब को नया और ट्रेंडी लुक दे सकती हैं।

रंगीन दुपट्टे और पलाजो के साथ दें फेस्टिव लुक

सफेद कुर्ते की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह लगभग हर रंग के साथ खूबसूरत लगता है। रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस या किसी पूजा के लिए इसे बंधनी, फुलकारी, चिकनकारी या ब्लॉक प्रिंट वाले रंगीन दुपट्टे के साथ पहनें। नीचे मैचिंग पलाज़ो या स्ट्रेट पैंट पहनकर लुक को और आकर्षक बनाया जा सकता है।

एथनिक लुक के लिए आसान हेयरस्टाइल बिना पार्लर जाए मिनटों में दिखें खूबसूरत

त्योहारों, शादी-ब्याह, पूजा, पारिवारिक समारोह या किसी खास अवसर पर जब भी हम साड़ी, सूट, अनारकली या लहंगा पहनते हैं, तो सबसे बड़ी चिंता होती है कि कौन-सी हेयरस्टाइल पूरे लुक को और भी खूबसूरत बनाएगी। अक्सर लोग सोचते हैं कि आकर्षक हेयरस्टाइल बनाने के लिए पार्लर जाना जरूरी है, लेकिन ऐसा नहीं है। कुछ आसान और ट्रेंडी हेयरस्टाइल ऐसी भी हैं जिन्हें आप घर पर केवल 5-10 मिनट में तैयार कर सकती हैं।

सही हेयरस्टाइल न केवल आपके एथनिक आउटफिट की खूबसूरती बढ़ाती है, बल्कि चेहरे के फीचर्स को भी उभारती है। यदि इसमें गजरा, छोटे फूल, मोती वाले हेयरपिन या स्टाइलिश एक्सेसरीज़ जोड़ दिए जाएं, तो साधारण लुक भी बेहद एलिगेंट दिखाई देता है। इस समय मिनिमल और नेचुरल हेयरस्टाइल का ट्रेंड काफी लोकप्रिय है। ऐसे हेयरस्टाइल जो आरामदायक हों, लंबे समय तक टिके रहें और हर तरह के आउटफिट के साथ मैच करें, उन्हें सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन या किसी खास

मौके पर बिना ज्यादा मेहनत किए स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये आसान हेयरस्टाइल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं।

क्लासिक लो बन

लो बन एथनिक आउटफिट के साथ सबसे पसंदीदा हेयरस्टाइल में से एक है। इसे साड़ी, सिल्क सूट या लहंगे के साथ आसानी से बनाया जा सकता है। बीच की मांग या साइड पार्टिंग करके बालों का साफ-सुथरा बन बनाएं और चाहें तो गजरा, ताजे फूल या मोती वाले हेयर एक्सेसरीज से सजाएं।

कश्मीरी चूड़ियों से झुमकों तक, रक्षाबंधन पर ये ट्रेंडी ज्वेलरी लुक कर देगी सबसे अलग

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही महिलाओं और लड़कियों के बीच ट्रेडिशनल आउटफिट और ज्वेलरी को लेकर उत्साह बढ़ जाता है। अगर आप इस राखी पर अपने लुक में कुछ नया और खूबसूरत जोड़ना चाहती हैं, तो कश्मीरी ज्वेलरी एक शानदार विकल्प हो सकती है।

कश्मीरी चूड़ियों से लेकर कश्मीरी झुमकों तक, इनकी रंग-बिरंगी डिजाइन और पारंपरिक कारीगरी फेस्टिव लुक को खास बना देती है। खास बात यह है कि ऐसी ज्वेलरी को आप साड़ी, सूट, अनारकली या इंडो-वेस्टर्न आउटफिट के साथ आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। लाल, हरा, नीला, गोल्डन और मैरून जैसे रंग रक्षाबंधन के मौके पर बेहद खूबसूरत लगते हैं।

अगर आप इस बार एक ऐसा लुक

चाहती हैं जो ट्रेडिशनल होने के साथ-साथ मॉडर्न भी दिखे, तो कश्मीरी ज्वेलरी के इन ट्रेंडी डिजाइन को अपने राखी कलेक्शन में जरूर शामिल करें।

कश्मीरी चूड़ियां

रंगीन कांच, मेटल या पारंपरिक पैटर्न वाली चूड़ियां आपके फेस्टिव लुक में चार चांद लगा सकती हैं। इन्हें मैचिंग सूट या साड़ी के साथ पहनें।

कश्मीरी झुमके

पारंपरिक मोटिफ और रंगीन डिटेलिंग वाले झुमके सिंपल आउटफिट को भी स्टाइलिश बना सकते हैं। इन्हें खासतौर पर कुर्ती या अनारकली के साथ ट्राई करें

कश्मीरी नेकलेस

अगर आपका आउटफिट सादा है तो एक स्टेटमेंट नेकलेस पूरे लुक को आकर्षक बना सकता है। हैवी नेकलेस के साथ हल्के ईयररिंग्स रखें। मिनिमल लुक पसंद करने वाली महिलाएं छोटे पेंडेंट और मैचिंग ईयररिंग्स चुन सकती हैं। ऑफिस से लेकर राखी सेलिब्रेशन तक यह स्टाइल आसानी से पहना जा सकता है।

कार्नर न्यूज

अपनी स्टाइल के लिए दीजिए कपड़ों पर खास ध्यान

हर वार्डरोब में होने चाहिए कुछ ऐसे कपड़े आपकी स्टाइलिंग होगी मिनटों में आसान

सही बेसिक कपड़ों का कलेक्शन न सिर्फ स्टाइलिंग आसान बनाता है, बल्कि कम कपड़ों में ज्यादा आउटफिट कॉम्बिनेशन तैयार करने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे 10 फैशन पीसेज, जो हर वार्डरोब में होने चाहिए।

फैशन की दुनिया में ट्रेंड्स आते-जाते रहते हैं, लेकिन कुछ कपड़े और एक्सेसरीज ऐसी होती हैं जो हर वार्डरोब की जरूरत बन जाती हैं। इन्हें बेसिक फैशन पीसेज कहा जा सकता है, क्योंकि इन्हें अलग-अलग आउटफिट्स के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है। एक अच्छी फिटिंग वाली सफेद शर्ट से लेकर क्लासिक ब्लू जींस, ब्लैक ट्राउजर और आरामदायक स्नीकर्स तक, ये चीजें रोजमर्रा के साथ-साथ दफ्तर, आउटिंग और कैजुअल मौकों पर भी काम आती हैं। खास बात यह है कि इन बेसिक पीसेज को थोड़ी क्रिएटिविटी के साथ अलग-अलग लुक में पहना जा सकता है। अगर आपकी अलमारी कपड़ों से भरी है लेकिन फिर भी रोज यह सवाल रहता है कि 'आज क्या पहनें?', तो शायद

आपको कुछ जरूरी बेसिक की कमी है। सही बेसिक कपड़ों का कलेक्शन न सिर्फ स्टाइलिंग आसान बनाता है, बल्कि कम कपड़ों में ज्यादा आउटफिट कॉम्बिनेशन तैयार करने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे 10 फैशन पीसेज, जो हर वार्डरोब में होने चाहिए।

सफेद शर्ट : एक क्लासिक सफेद रंग की शर्ट सबसे वर्सटाइल फैशन पीसेज में से एक है। इसे जींस के साथ कैजुअल, ट्राउजर के साथ ऑफिस लुक और ब्लेजर के साथ फॉर्मल अंदाज में पहना जा सकता है।

क्लासिक ब्लू जींस: ब्लू डेनिम लगभग हर मौसम और मौके के लिए उपयोगी है। स्ट्रेट, रिलैक्स्ड या स्लिम फिट जैसी पसंद के अनुसार इसे टी-शर्ट, शर्ट या टॉप के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक ट्राउजर: ब्लैक ट्राउजर वार्डरोब का ऐसा बेसिक है जिसे फॉर्मल और स्मार्ट-कैजुअल दोनों लुक में इस्तेमाल किया जा सकता है।न्यूट्रल रंग होने के कारण यह कई तरह के टॉप और शर्ट के साथ आसानी से मैच होता है।

बेसिक व्हाइट या ब्लैक टी-शर्ट: सादा टी-शर्ट किसी भी कैजुअल वार्डरोब की नींव है। इसे अकेले पहनने के अलावा शर्ट, जैकेट या ब्लेजर के अंदर लेयर किया जा सकता है।

न्यूट्रल कलर का ब्लेजर: ब्लैक, नेवी या बेज ब्लेजर साधारण आउटफिट को तुरंत पॉलिस्ड लुक दे सकता है। दफ्तर की मीटिंग से लेकर डिनर तक इसे अलग-अलग तरह से स्टाइल किया जा सकता है।

डेनिम जैकेट: डेनिम जैकेट कैजुअल लुक के लिए एक टाइमलेस विकल्प है। इसे टी-शर्ट, ड्रेस, टॉप या स्वेटर के ऊपर पहना जा सकता है।

आरामदायक स्नीकर्स: एक अच्छी क्वालिटी के व्हाइट या न्यूट्रल स्नीकर्स कई आउटफिट्स के साथ काम आते हैं। ये जींस, ट्राउजर, कैजुअल ड्रेस और यहां तक कि कुछ स्मार्ट-कैजुअल लुक के साथ भी पहने जा सकते हैं।

ब्लैक या न्यूट्रल फुटवियर: एक क्लासिक ब्लैक शू, लोफर या बैले फ्लैट जैसी जोड़ी अलग-अलग अवसरों के लिए उपयोगी होती है।